हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 13 अक्टूबर 2024

इसी साल हुए लोकसभा के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत पाने में नाकाम रही, वहीं हाल ही में हुए विधानसभा के आम चुनावों में जम्मू-कश्मीर में सत्ता हथियाने का उसका सपना चूर-चूर हो गया। इसके विपरित हरियाणा प्रदेश में आशा के विपरित चुनाव परिणाम मिलने से वह पूरी उत्साहित दिख रही है। राजधानी दिल्ली समेत झारखंड और महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इन परिणामों का असर इन राज्यों के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। हालांकि, उन राज्यों में भाजपा सत्ता से बाहर है। इन विस चुनाव परिणामों में कांग्रेस की हुई किरकिरी से उसके सहयोगी दलों का कांग्रेस पर दबाव भी बढ़ा है। भिाजपा के लिए चुनौती की बात यह है कि यदि महाराष्ट्र में वह 105 से कम सीटें जीतती हैं तो भविष्य में उसके राज्यसभा सांसदों की संख्या कम हो जाएगी। ऐसे में वह जिस महत्वाकांक्षी विधेयक 'एक देश एक चुनाव' को पारित कराना चाहती है, उसे पारित कराने में दिक्कतें आएंगी। इन्हीं सब मुद्दों पर आजकल का यह अंक...

भाजपा की जीत का असर दूर तक दिखेगा

दो टूक

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

हारी हुई बाजी को भाजपा पलटने में सफल रही। अब इस जीत से भाजपा का आत्मबल बढ़ेगा, नतीजतन इसका असर महाराष्ट्र, दिल्ली एवं झारखंड में होने वाले चुनावों में भाजपा के पक्ष में दिखाई दे सकता है। दरअसल जो अनुमान लगाए जा रहे थे, उनके पीछे गणित था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव चुनावी बाजी को जीत में बदलने के लिए पहला काम धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर किया। धर्मेंद्र प्रधान इससे पहले बिहार और कर्नाटक में भी प्रभारी रहते हुए पार्टी को विजयश्री दिलाने में सफल रहे थे।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों से देश के दिग्गज राजनीतिक पंडित, चुनाव विशेषज्ञ और मतदान के बाद अनुमान लगाने वाली संस्थाएं अचंभित हैं। क्योंकि इनमें से ज्यादातर भाजपा को हरियाणा में जीत से बाहर रहने की गारंटी दे रहे थे। कांग्रेस को हरियाणा में अपने बलबूते न केवल स्पष्ट बहुमत, बल्कि दो तिहाई बहुमत के पार बता रहे थे। लेकिन नतीजे के बाद साफ हुआ कि ये अनुमान छह माह पहले हुए लोकसभा चुनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और हरियाणा के प्रभुत्वशाली वर्ग से बातचीत के आधार पर गढ़े गए हैं, इसलिए धराशायी हुए। दरअसल, इस अप्रत्याशित जीत के पीछे लोकसभा चुनाव की हार से नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सबक लेना भी रहा है। गोया, हारी हुई बाजी को भाजपा पलटने में सफल रही। अब इस जीत से भाजपा का आत्मबल बढ़ेगा, नतीजतन इसका असर महाराष्ट्र, दिल्ली एवं झारखंड में होने वाले चुनावों में भाजपा के पक्ष में दिखाई दे सकता है। दरअसल जो अनुमान लगाए जा रहे थे, उनके पीछे गणित था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव चुनावी बाजी को जीत में बदलने के लिए पहला काम धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर किया। प्रधान इससे पहले बिहार और कर्नाटक में भी प्रभारी रहते हुए पार्टी को विजयश्री दिलाने में सफल रहे थे।

हरियाणा में कांग्रेस का मतलब भूपेंद्र हुड्डा

प्रधान ने सबसे पहले सभी 90 विधानासभा क्षेत्रों का दौरा किया। कुरुक्षेत्र, पंचकुला और रोहतक में शिविर लगाए। ओड़िशा में भाजपा की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रधान ने मतदान केंद्र तक की समीक्षा की और पाया कि हरियाणा में कांग्रेस का मतलब सिर्फ भूपेंद्र सिंह हुड्डा है। अतएव पिछले दस साल से हरियाणा की कमान संभालते चले आ रहे, मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। सैनी पिछड़े वर्ग से आते हैं। साथ ही सुरेंद्र नागर को राज्य का सह-चुनाव प्रभारी बनाया गया। नागर गुर्जर समाज से हैं। राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पुनिया ने जाट बहुल क्षेत्र की मनस्थिति बदलकर कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगा दी। इस रणनीति ने हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट समुदाय के विपरीत दलित, पिछड़े और अन्य छोटे तबकों को लुभाने का काम किया। इस सामाजिक रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए संघ को कमान सौंप दी गई। इसका परिणाम रहा कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा अन्य सभी मुद्दों पर भारी पड़ गया। लिहाजा 2020 में बनाए गए तीन किसान कानून और फसलों पर

समर्थन मूल्य की मांग के मुद्दे फीके पड़ गए और भाजपा के सिर जीत का सेहरा बंध गया। जम्मू-कश्मीर में जो अनुमान थे, परिणाम लगभग उसी सोच के अनुरूप आए। यहां एनसी और कांग्रेस गठबंधन को 48 सीटें मिलीं तो भाजपा को 29 सीटों पर विजय मिली। कांग्रेस एनसी के साथ गठबंधन करके नुकसान में रही, वह मात्र छह सीटों पर सिमट गई। पीडीपी भी सिमट कर बमुश्किल तीन सीटें जीत पाईं। महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती 9,770 मतों से चुनाव हार गईं।

घाटी में सुधारवादी नीतियों का प्रभाव नहीं

घाटी की जनता ने जहां महबूबा मुफ्ती की वंशवादी राजनीति का खात्मा किया, वहीं आतंक और अलगावावादी गतिविधियों में शामिल रहे एक भी प्रत्याशी को जीतने नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल क्षेत्रों में थीं। घाटी में यह स्पष्ट रूप से देखने में आया है कि मुसलमानों में सुधारवादी नीतियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। अंततः यह समुदाय धर्म के आधार पर ही वोट देता है। जम्मू-कश्मीर में भाजपा निर्दलीयों के भरोसे सरकार बनाने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस की एकतरफा जीत ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भाजपा ने इन दोनों राज्यों में अपनी स्थिति संभलते हुए भाजपा विरोधी नेता और दलों को जता दिया है कि भाजपा संवैधानिक लोकतंत्र की प्रबल पक्षधर है और उसकी नीतियां समरसतावादी है। जम्मू-कश्मीर को लेकर देश को ही नहीं दुनिया के कथित मानवाधिकारी संगठनों को यह उत्सुकता और आशंकाएं थीं कि नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र की कसौटी पर खरी उतरती है अथवा नहीं ?

धार्मिक गुत्थी में उलझे हुए हैं मुस्लिम

पूर्वाग्रही वामपंथी चुनाव विश्लेषक कह रहे हैं कि घाटी ने अनुच्छेद-370 और 35-ए को पूरी तरह नकार दिया है। जबकि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 60 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्र में हैं। मुसलमान धार्मिक गुत्थी में हमेशा उलझा रहा है। प्रगातिषील सोच और सुधारवादी नीतियों का वह लाभ तो पूरा लेता है, लेकिन अपनी सांप्रदायिक जड़ता से मुक्त नहीं होना चाहता। अतएव घाटी में मुसलमानों ने 370 हटने के बाद पर्यटन से हुए लाभ को तो स्वीकारा, लेकिन एनसी को वोट इसलिए दिया, क्योंकि उसके मुखिया फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर एक मुस्लिम जनाधार वाली पार्टी के मुखिया हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में एनसी या फिर पीडीपी राज करती चली जा रही हैं।

पीडीपी भी मुस्लिम बहुल पार्टी है। इन दोनों दलों के राज करते चले आने की वजह से ही कश्मीर में आतंक और अलगावावाद परवान चढ़ा और घाटी से करीब पांच लाख हिंदू, सिख और बोद्धों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इन परिणामों से यह संदेश निकलता है कि अंततः भारतीय मुसलमान अपने भीतर समरसतावादी सोच विकसित नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें आर्थिक अभाव और तंगदिली तो पसंद है, लेकिन जिस भाजपा ने 370 खत्म करके घाटी में सुख और चैन दिया, उसे सत्ता देकर अपने सुखों को और बढ़ाना स्वीकार नहीं है। यहां आकर संविधान में मौजूद धर्मनिरपेक्षता ठिठक जाती है। भाजपा ने हरियाणा में जरूर बाजी पलट दी है, किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं को पूरी तरह नकार दिया।

हरियाणा में वंशवादी राजनीति को धूल चटाई

इन विधानसभा चुनावों ने हरियाणा में वंशवादी राजनीति के पैरोकारों को धूल चटा दी है। अतएव इस चुनाव ने में तय कर दिया है कि भविष्य में भी यहां वंशवादी राजनीति कोई बड़ा खेल, खेल पाएगी ऐसा लगता नहीं है? हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम राज्यों की सीमाओं को लांघकर यह खुला संदेश दे रहे हैं कि भाजपा की आगे भी बढ़त बनी रहेगी और राहुल गांधी व अन्य विपक्षी दलों के भ्रामक मुद्दे अब मतदाता को भ्रमित नहीं कर पाएंगे? क्योंकि चाहे हरियाणा हो या कश्मीर, विकास और सामाजिक न्याय के मुद्दे भाजपा ने ही आगे बढ़ाए हैं। इसीलिए वंशवादी और उच्च जाति के लोगों से संवैधानिक नेतृत्व की कमान छिटक कर पिछड़े, अति पिछड़े और दलित व आदिवासियों तक पहुंच रही है। इन परिणामों से भाजपा के उस मनोबल को बल मिला है, जो लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद थोड़ा निराश हो गया था। हालांकि भाजपा हमेशा हार से सबक लेकर सुधारवादी प्रयोग करने लग जाती है। इन्हीं प्रयोगों के तहत भाजपा ने अग्निवीरों को लेकर जो शंकाएं थीं, उन्हें दूर किया। कृषि सुधारों का दायरा बढ़ाया और समर्थन मूल्य की दरें तो बढ़ाई हीं, फसलों की संख्या भी बढ़ा दी।

भाजपा और संघ की सक्रियता दिखाई देगी

इस जीत का असर अखिल भारतीय राजनीति में तो दिखाई देगा ही, बल्कि पार्टी और संघ परिवार की आंतरिक की गतिशीलता बढ़ेगी और बाहर सक्रियता दिखाई देगी। इसका असर महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के चुनावों में दिखाई देगा। चूंकि अब भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ गया है, इसलिए वह इन तीनों ही राज्यों में अपनी पूरी ताकत झोंक देगी। महाराष्ट्र में भाजपा के साथ महायुति में शिवसेना शिंदे और अजीत पवार की एनसीपी शामिल हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ शिवसेना उद्धव ठाकरे और एनसीपी शरद पवार हैं। साफ है, यहां मुकाबला शरद पवार की साख और मोदी के विश्वास पर होगा। जिसमें अब मोदी भारी पड़ते दिखाई दे सकते हैं। वैसे देखा जाए तो भाजपा का प्रदर्शन सीधे दो दलों की टक्कर में अच्छा रहता है। इस मुकाबले में यदि कांग्रेस है तो भाजपा की जीत की उम्मीद बढ़ जाती है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र ने भाजपा को बड़ा झटका दिया है। लोकसभा में भाजपा के पास सामान्य बहुमत हैं और राज्यसभा में वह बहुमत के करीब हैं। अब उसके लिए चिंता और चुनौती की बात यह है कि यदि महाराष्ट्र में वह 105 से कम सीटें जीतती हैं तो भविष्य में उसके राज्यसभा सांसदों की संख्या कम हो जाएगी। ऐसे में वह जिस महत्वाकांक्षी विधेयक एक देश एक चुनाव को पारित कराना चाहती है, उसे पारित कराने में दिक्कतें आएंगी। झारखंड में भाजपा ने अपनी पहुंच मजबूत करने की दृष्टि से पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनाव की कमान सौंप दी है। शिवराज मतदाता को लुभाने की दक्षता रखने के साथ आदिवासियों को गले लगाने की रणनीति को अंजाम तक पहुंचाने में कुशल हैं।

भाजपा के लिए नई उम्मीद लेकर आए परिणाम

मध्यप्रदेश में आदिवासियों को आकर्षित करने का यह खेल वह बड़ी चतुराई से करते रहे हैं। भाजपा ने यहां के क्षेत्रीय दल अजासू से गठबंधन को अंतिम रूप देकर चंपाई सोरेन के साथ अवैध घुसपैठ और मतांतरण के मुद्दे को उछालकर हेमंत सोरेन को कठघरे में खड़ा करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा पर आश्रित है। जो अब अपनी ताकत के क्षरण के दौर से गुजर रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा में सीधा मुकाबला होगा। शराब नीति घोटाले में घिरे अरविंद केजरीवाल सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ चुके हैं। उन्होंने आतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है। लेकिन अब केजरीवाल की वह छवि नहीं रही, जो ईमानदार मुख्यमंत्री के रूप में बनी थी और उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुछ अनूठे कार्य करके मतदाताओं को लुभाने का काम किया था। अब उनकी छवि बहुत कुछ धूमिल हो गई है, यह इस बात से पता चलता है कि हरियाणा चुनाव में आप का खाता नहीं खुल पाया। उनके ज्यादातर प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा पाए। अतएव दिल्ली में आप पार्टी को झाड़ू लग जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। बहरहाल, ये चुनाव परिणाम भाजपा के लिए नई उम्मीद लेकर आए हैं।

हरियाणा ने हिलाया कांग्रेस का सियासी ट्रैक

उठापटक

अंजलि मिश्रा

राजनीतिक विश्लेषक

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद देश की मुख्य विपक्षी पार्टी एक बार फिर वहीं खड़ी दिखाई दे रही है, जहां वह लोकसभा चुनाव से पूर्व नजर आ रही थी। चुनाव के इन परिणामों ने साथ ही एक बार फिर यह भी दर्शाया है कि सब कुछ अनुकूल होते हुए भी जीती हुई बाजी हार कर अपने लिए मुसीबत बढ़ाने में कांग्रेस पार्टी का कोई मुकाबला ही नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता तो इसी दिसंबर में अपनी स्थापना के 139 वर्ष पूरे करने जा रही कांग्रेस अपने इतिहास के लंबे कालखंड के सबसे संकटपूर्ण दौर में नहीं होती। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में पार्टी की अप्रत्याशित हार ने संकट के इस दौर में चुनौतियों की राह और बढ़ा दी है क्योंकि इसकी छाया केवल इस प्रदेश तक ही सीमित नहीं है। तमाम अन्य राज्यों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की राजनीतिक मुसीबतें एक बार फिर गहराती दिख रही हैं। विशेष कर तत्काल में झारखंड और महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में जहां अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है।

अपनी जमीन बचाने की चुनौती

इन दोनों प्रदेशों में कांग्रेस गठबंधन में है और पार्टी के सामने अपनी राजनीतिक जमीन को सिकुड़ने से बचाने के साथ चुनावी जीत हासिल करने की दोहरी चुनौती है। उसकी मुसीबत दोहरी इसलिए है कि चाहे वह गठबंधन में हो मगर दोनों राज्यों में चुनाव नतीजे प्रतिकूल रहे तो सहयोगी दलों की बजाय इसका पूरा दारोमदार कांग्रेस पर ही आएगा। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती पर काफी गंभीर असर पड़ सकता है। इसकी झलक हरियाणा के नतीजों से ही मिलने लगी है जब विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई प्रमुख दल भाजपा से राजनीतिक मुकाबला करने में कांग्रेस की संगठनात्मक क्षमता पर सवाल उठा रहे हैं। वह चाहे शिवसेना यूबीटी, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी हो या फिर तृणमूल कांग्रेस। संकेत साफ हैं कि विपक्ष का नेतृत्व कर रही कांग्रेस को अपने मुख्य प्रतिद्वंदी भाजपा से लड़ने के अलावा अपने ही सहयोगी दलों की चुनौतियों से निरंतर रूबरू होते रहना पड़ेगा। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच की यह आपसी प्रतिद्वंदिता अस्वाभाविक भी नहीं है। वास्तविकता यह है कि शिवसेना यूबीटी को छोड़कर विपक्षी गठबंधन में शामिल अधिकांश राजनीतिक पार्टियों का उदय उनके राज्यों में कांग्रेस के कमजोर होने से हुआ है। ऐसे में उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव हों, बंगाल में ममता बनर्जी, बिहार में लालू-तेजस्वी यादव या झारखंड में हेमंत सोरेन, ये सभी इस खतरे को लेकर हमेशा सशंकित तो रहेंगे ही कि कांग्रेस मजबूत होने लगेगी तो अपने सूबों में उनकी पार्टियों के लिए खतरा बढ़ने लगेगा।

पूरी जवाबदेही कांग्रेस पर रहेगी

हरियाणा के चुनाव में भाजपा बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई में वहां के क्षेत्रीय दलों का जिस तरह लगभग सफाया हुआ है, वह भी इन नेताओं के लिए एक उदाहरण है। ऐसे में कांग्रेस को सहयोगी दलों का गठबंधन में होते हुए भी लगातार दबाव का सामना करना पड़ेगा। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबला करने की इन परिस्थितियों में

भी पूरी जवाबदेही उसी पर है। इसमें कोई भी राजनीतिक सेट बैक पार्टी को अपनेसहयोगियों के सामने ही बैकफुट पर धकेलेगा, जैसाकिहरियाणा चुनाव के नतीजों के बाद दिखाई दे रहा है।

लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल करने के बाद एक दशक से आफ ट्रैक हुई कांग्रेस की सियासत बड़ी मुश्किल से ट्रैक पर आयी है। मगर हरियाणा के परिणामों ने इस ट्रैक को गहरे तक हिला दिया है और पार्टी की भविष्य की सत्ता सियासत अब हर चुनाव के साथ संभावनाओं या आशंकाओं को जन्म देगी। झारखंड और हरियाणा का चुनाव इसकी तत्काल मिसाल बनेगा, जहां कांग्रेस गठबंधन में चुनाव में जा रही है। पार्टी की चुनौतियों का थमा ग्राफ फिर से बढ़ने लगा है इसका उदाहरण महारराष्ट्र तथा झारखंड दोनों से मिलने लगा है। इसमें संदेह नहीं कि हरियाणा की तरह ही महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन की चुनावी संभावनाएं भाजपा, शिवसेना शिदें और अजीत पवार की एनसीपी वाले महायुति गठबंधन की तुलना में बेहतर मानी जा रही है। लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी ने भाजपा नेतृत्व वाले महायुति को जिस तरह शिकस्त दी है उसके बाद विधानसभा में भी ऐसी ही उम्मीद की जा रही है। पर रोचक यह भी है कि हरियाणा में भी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में दस में से पांच सीटें जीत कर ऐसी धारणा बनाई थी कि विधानसभा चुनाव की बाजी तो उसके पाकेट में है। महाराष्ट्र में पार्टी की परेशानी का सबब बढ़ने वाला है क्योंकि लोकसभा चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में वहां उभरने के बाद पार्टी विधानसभा की अधिक सीटों पर दावा कर रही है। साथ ही मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी पर भी कांग्रेस की नजरें हैं। जबकि शिवसेना यूबीटी महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस के बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहती है और उद्धव ठाकरे को अघाड़ी गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के लिए उसकी कोशिशें जगजाहिर है। उद्धव की पार्टी चेहरा घोषित कर ही चुनाव में उतरने के लिए दबाव बना रही है। हरियाणा के नतीजों के बाद सीटों के बंटवारे को लेकर भी खिचखिच बढ़नी तय है क्योंकि शिवसेना यूबीटी पिछले विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन के आधार पर फार्मूला तय करने के पक्ष में है।

गठबंधन की खातिर इस रस्साकशी को खत्म करने के लिए बीच का रास्ता भले निकाल लिया जाए मगर यहां बैकफुट पर कांग्रेस को ही रहना होगा क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र जैसे दूसरे बड़े सियासी राज्य में सत्ता सियासत की दौड़ से लंबे समय तक बाहर रहने का जोखिम नहीं ले सकती। महाराष्ट्र में कांग्रेस इस राजनीतिक हकीकत की अनदेखी नहीं कर सकती कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद नहीं देने के भाजपा के फैसले के बाद ही शिवसेना से उसकी दशकों पुरानी दोस्ती टूटी थी। ऐसे में शिवसेना यूबीटी उद्धव के नेतृत्व करने के मुद्दे पर समझौता नहीं करेगी। वैसे बीच-बीच में भाजपा के उद्धव पर डोरे डालने की अटकलों को देखते हुए भी कांग्रेस को इस मसले पर सजग और राजनीतक जमीन पर रहना होगा।

सहयोगी दल होंगे हावी

झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद सियासी उथल-पुथल हुई है। विशेषकर सोरेन के जमानत पर बाहर आकर दुबारा सीएम बनने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन अगले चुनाव में एक बार फिर मुकाबले में है।

आदिवासी वोट बैंक पर हेमंत की पकड़ पुख्ता दिख रही है और इसके दम पर ही झामुमो इस बार कांग्रेस पर पिछली बार की तुलना में कम सीटों पर लड़ने का दबाव बना रही है। साफ है कि हरियाणा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में कांग्रेस के सहयोगी दल उस पर हावी होने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे।

क्या दिल्ली में खेल कर पाएगी बीजेपी

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दिनों जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में चुनाव हुए जहां बीजेपी की स्थिति पहले की अपेक्षा ज्यादा मजबूत रही। जम्मू-कश्मीर में वोट प्रतिशत की बात करें तो 25.64 प्रतिशत वोट के आधार पर सबसे बडी पार्टी बनकर उभरी और पहले की अपेक्षा सीटें भी अधिक मिली। 2014 में 25 तो इस बार 29 सीटों पर जीत हासिल की। यदि हरियाणा की बात करें तो देश की बड़ी-बड़ी सर्वे करने वाली एजेंसियों व न्यूज चैनलों के सर्वे में कांग्रेस की सरकार बना दी थी लेकिन जब रिजल्ट आया तो हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। इस मामले को लेकर कांग्रेस ही नहीं बीजेपी भी यकीन नहीं कर पा रही थी कि हम वापसी कर रहे हैं।

सीटें कम, वोट प्रतिशत बढ़ा

हरियाणा में भी पहले की अपेक्षा सीटें भी ज्यादा आई हैं। अब जैसा कि आने वाली फरवरी में दिल्ली में चुनाव है, तो क्या बीजेपी यहां भी कोई चमत्कार कर पाएगी, चूंकि पार्टी बीते विधानसभा में लंबे समय से सत्ता पाने में विफल रही है। जैसा कि दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव 1952 में हुआ था। पिछले 63 वर्षों में चार बार महानगर परिषद और सात बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। 1967 से 1992 तक दिल्ली में विधानसभा भंग थी और यहां महानगर परिषद के लिए चुनावी रण हुआ करता था। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल एक बार जीत मिली। इसके बाद कांग्रेस का राज रहा और 2013 में आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और जब से वह सत्ता में काबिज है। लेकिन इस बार कई तरह की केलकुलेशन सामने आ रही हैं। चूंकि पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की सीटें तो ज्यादा कहीं नहीं आई लेकिन वोट प्रतिशत जरूर बढ़ा है, हालांकि दिल्ली के परिवेश में स्थिति अभी भी बहुत ज्यादा मजबूत नहीं दिख रही लेकिन बीजेपी को लेकर दिल्ली वालों का एक अलग तरह का ही प्रेम है। यह बात इसलिए कही जा रही है चूंकि बीते 15 वर्षों तक नगर निगम में कमान दे रखी थी और इस बार भी मामला लगभग आधे-आधे पर रहा और लोकसभा में दिल्ली की जनता एक तरफा प्यार और आर्शीवाद देती है। बहरहाल, अब हाल के ही समीकरणों पर चर्चा करें तो बीते दिनों केजरीवाल इस्तीफा दे चुके हैं जिसको लेकर उनका कहना कि उन्होंने नैतिकता के आधार कमान छोड़ कर आतिशी को दे दी लेकिन सच्चाई यह थी कि जिस शर्त पर उनको कोर्ट से जमानत मिली थी, उसमें वह बतौर मुख्यमंत्री अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते थे।

'आप' की साख पर बड़ा डेंट

जैसा कि दिल्ली सरकार के केजरीवाल समेत सभी बड़े नेता शराब घोटाले के आरोपी हैं और अब आम आदमी पार्टी की साख पर बड़ा डेंट भी लगा हुआ है। इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करवा लिया। हालांकि एक बार पहले भी कांग्रेस से गठबंधन करके सरकार बनाई थी लेकिन जोड़ी ज्यादा दिन चली नहीं थी। सवाल कई सारे हैं लेकिन दिशा को

तो एक तरफ जाना होगा क्योंकि दशा तभी तय होगी। जैसा कि इस समय कमान आतिशी के हाथ में है लेकिन संचालन प्रक्रिया केजरीवाल के पास ही है। अब मामला यह है कि केजरीवाल ने आतिशी को कमान जिस स्थिति में दी, उससे पार्टी के अंदर ही नेगेटिव तरह का माहौल बन गया। नेगेटिव इसलिए कहा जा रहा है चूंकि पार्टी में उनसे पुराने व बड़े कद के नेता भी हैं जिनको मुख्यमंत्री बनाया जा सकता था, जैसे कि संजय सिंह, गोपाल राय, सोमनाथ भारती व इसके अलावा भी तमाम ऐसे कई नाम हैं लेकिन उनके नाम पर मुहर नहीं लगी। दरअसल, पार्टी के जो नेता केजरीवाल के साथ के हैं या यूं कहें कि जो आंदोलन के समय से लेकर अब तक साथ हैं व उनकी वरिष्ठता आतिशी से कहीं बड़ी थी। बहुत सारे ऐसे नेता भी हैं जो आतिशी से ज्यादा प्रभावशाली भी हैं। इस वजह से उनके खेमे के कई कार्यकर्ताओं का पार्टी से मोहभंग हो गया और बाकी शीर्ष नेता के खेमे के लोग इस बात से नाराज भी दिख रहे हैं।

आतिशी को बॉस क्यों मानें?

एक सवाल यह भी है कि आखिर बड़े नेता आतिशी को अपना बॉस क्यों मानें? क्या मात्र केजरीवाल के कहने से वह यह बात समझ पा रहे हैं। हालांकि जब आतिशी को मुख्यमंत्री बना ही दिया तो अब किसी के सामने कोई विकल्प है भी नहीं लेकिन अब डर ये ही बना रहेगा कि कहीं कपार्टी के कुछ सीनियर नेता नाराज न हो जाएं जिससे पार्टी में किसी भी प्रकार की आंतरिक कलह हो या चुनाव आते-आते कुछ नेता किसी दूसरी पार्टी में जाकर अपना पाला न बदल लें।

हर पैंतरा अपनाएगी बीजेपी

भाजपा को लग रहा है कि अगर दिल्ली विधानसभा के पिछले चुनावों पर नजर डाली जाए तो कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर पार्टी काफी कम मतों से हारी है। पटपड़गंज, बिजवासन और आदर्श नगर विश्वनसभा सीटें इसके अच्दे उदाहरण हैं। अगर इस बार उन विशेष सीटों पर बेहतर रणनीति के तहत चुनाव लड़ा गया, तो इस बार कामयाबी हासिल की जा सकती है। इन सभी मुद्दों को बीजेपी जमकर भुनाएगी क्योंकि वह किसी भी मामले को हलके में नहीं लेती और बीजेपी का सोशल मीडिया बेहद मजबूत है। इसके अलावा वह दिल्ली में सत्ता के लिए हर वो पैंतरा अपनाएगी जिससे उसको कमान संभालने का मौका मिले। जैसा कि हरियाणा में कई वर्ग बीजेपी से नाराज थे लेकिन जब चुनावों के परिणाम आए और कहां-कहां किसको कितने वोट मिले हैं उस आधार पर पता चला कि वोटर का मिजाज बीजेपी के लिए सकारात्मक रहा। इसलिए शायद अब बेचैनी की बात आम आदमी पार्टी के लिए ज्यादा रहेगी। बीते कुछ चुनावों के साथ उम्मीद से परे सकारात्मक रिजल्ट आ रहे हैं।

दिल्ली की राह आसान नहीं

मध्य प्रदेश, राजस्थान व वह राज्य जहां बीजेपी का इतिहास व भूगोल बिल्कुल नहीं था, उसे कई जगह पर रोमांचक जीत हासिल हुई और इससे पार्टी के अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा बनी हुई है। लेकिन विशेषज्ञों के एक वर्ग का मानना यह भी है कि दिल्ली में बीजेपी की राह उतनी आसान नहीं मानी जा सकती, चूंकि आम आदमी पार्टी ने इतनी सीटें जीत रखी हैं कि बुरे से बुरे तौर पर भी कितनी सीट कम हो लेकिन सत्ता में प्रवेश करने लायक सीटें कई ईर्द-गिर्द कहानी बन सकती है।

हां, यदि यदि इस खेल में कांग्रेस अपना किरदार थोड़ा सा भी धमाकेदार कर गई तो फिर आम आदमी पार्टी का खेल खतरे में पड़ सकता है। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि राजधानी में अबकी बार आप और भाजपा में ही मुख्य मुकाबला रहेगा। देखना यह है कि ऊर्जा से भरपूर बीजेपी दिल्ली में अपनी बिसात कैसे बिछाएगी।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ड्रोन फोटोः भूपेश जांगड़े

असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है दशहरा : सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के मैदान में दशहरा पर्व के अवसर पर जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। हम लोग हर साल रावण का वध करते हैं, परंतु इस पर्व की सार्थकता तभी है, जब हम काम, क्रोध, मद, लोभ रूपी रावण, जो हमारे मन में है, उसका वध करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता कौशल्या की नगरी और मांचा श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में रावण रूपी जो भी बुराई है, उसको हम सब मिलकर दूर ▶▶ शेष पेज 2 पर

देशभर में मनाया गया विजयदशमी पर्व लाल किला ग्राउंड पर पहुंचीं राष्ट्रपति

मोदी ने किया रावण दहन

नई दिल्ली। देशभर में विजयदशमी पर्व मनाया गया। दिल्ली में माधव दास पार्क में 'रावण दहन' का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने धनुष चलाकर रावण के पुतले का दहन किया। इससे पहले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भगवान श्री राम और माता सीता की आरती की। लाल किला मैदान पर स्थित रामलीला स्थल पर दशहरा पर्व के लिए 120 फीट का रावण का पुतला, 110 फीट का कुंभकरण का पुतला, 100 फीट का मेघनाद का पुतला था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दार्जिलिंग के सुकना में 33 कोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की।

रावण के मुंह से हे राम, हे राम

जब रावण के पुतले पर तीर चला तो नाभी से अमृत गिरा, आंखें मटकने लगीं, आंखों से खून के आंसू टपकने लगे, हाथ में तलवारें घुमती नजर आईं। गले की मालाएं रंग-बिरंगी अलग-अलग रंगों में नजर आईं और मुंह से हे राम, हे राम का उद्घोष करते हुए पुतले का दहन हुआ।

पांच निजी मेडिकल कालेज में एनआरआई की सौ से अधिक सीट, फीस करोड़ों में

मेधावी छात्रों को 449 अंकों पर सीट नहीं एनआरआई कोटे से 137 में एमबीबीएस

पैसे का खेल...

पंजाब सरकार की एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की। कहा कि एनआरआई कोटे के नाम पर फ्रॉड हो रहा है। यह धंधा है इसे रुकना चाहिए। इससे मेधावी छात्रों की कीमत पर पिछले दरवाजे से प्रवेश का रास्ता खुल जाता है। इससे पहले पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार के इस फैसले को खारिज कर दिया था जिसमें एनआरई सीटें बढ़ाई जानी थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी। उसके बाद छत्तीसगढ़ में विवाद खड़ा हो गया है। जहां छत्तीसगढ़िया मेधावी छात्रों को प्राइवेट कालेजों में 449 अंक लाने पर भी प्रवेश नहीं मिला वहीं, एनआरआई कोटे से 137 अंक पाने वाले छात्रों को सीट अलॉट की गई है।

विकास शर्मा ▶▶ रायपुर

उल्लेखनीय है कि नीट के कुल अंक 720 होते हैं। यानी नीट में केवल 19 फीसदी स्कोर करने वाले को एमबीबीएस में एडमिशन दे दिया गया है। वहीं गवर्नमेंट कालेजों में सामान्य वर्ग के छात्रों को 595 से कम पर प्रवेश नहीं मिला। यहां तक कि एससी-एसटी वर्ग के छात्रों को भी आखिरी प्रवेश 140 स्कोर पर दिया गया है। इसकी शिकायत मुख्य सचिव से की गई है कि फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर प्रवेश लिए गए हैं इसकी जांच की जानी चाहिए।

अलग खबर

उल्लेखनीय है कि साल में 182 दिन विदेश में रहने वाले को एनआरआई कहा जाता है। उसे केंद्र सरकार सर्टिफाई करती है। लेकिन स्थानीय स्तर पर दूर के रिश्तेदारों के सगे संबंधियों, जैसे ताऊ, मौसा, मामा, नाना, दादा और बुआ से जुड़े छात्रों को भी एनआरआई मान लिया जाता है। इसका ▶▶ शेष पेज 2 पर

चाचा, नाना, काका, ताऊ और बुआ के नाम पर बने सर्टिफिकेट

दूर के रिश्तेदारों के नाम पर प्रमाण पत्र

दूर के रिश्तेदारों के प्रमाणपत्र के आधार पर छात्र को एनआरआई कोटे लाभ देने के मामले को पंजाब हाईकोर्ट फर्जीवाड़ा माना था। इसके खिलाफ याचिका लगाने वाली पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिली थी और कोर्ट द्वारा टिप्पणी की गई थी कि यह फर्जीवाड़ा रुकना चाहिए। एनआरआई के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए राज्य में लागू वर्ष 2021 के नियम में संशोधन की मांग चौतरफा की गई है। इसमें भी एनआरआई कोटे के लिए दो पीढ़ी के रक्त संबंध यानी भाई-बहन की संतान, चाचा, मामा, मौसी, बुआ, नानी, दादा से रिश्तेदारों को तहसीलदार से जारी सर्टिफिकेट के आधार पर मान्य किया जाता है।

एनआरआई कोटा विवादों में, जांच होनी चाहिए

कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि नीट हमेशा विवादों में रहती है। एनआरआई कोटे से एडमिशन पर भी सवाल उठते रहते हैं। काफी साल पहले सिम्स में एनआरआई कोटा की सीट थी विवाद की वजह से गुरु घासीदास विवि से उसके आयुष विवि के संबद्धता होने के बाद इसे बंद ▶▶ शेष पेज 2 पर

एससी-एसटी से भी कम अंक पर एमबीबीएस

राज्य में अभी पांच निजी मेडिकल कालेज में एनआरआई की करीब 105 सीटें हैं जिसमें से 80 फीसदी पर एडमिशन हो गया है। अंतिम एडमिशन लेने वाले को नीट के 720 में से केवल 137 अंक प्राप्त हुए जबकि एसटी कोटे से निजी मेडिकल कालेज में अंतिम एडमिशन 139, एससी का 140 अंकों पर हुआ है वहीं शासकीय मेडिकल कालेज में यूआर कोटे से अंतिम एडमिशन 596 अंक पर हुआ है। सामान्य वर्ग के छात्रों के सामने बहुत ही कठिन राह है। उन्हें 449 से अंक आने पर किसी भी तरह प्रवेश नहीं मिल पाया।

नियम में बदलाव जरूरी

यूनाइटेड डाक्टर फ्रंट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी ने कहा कि राज्य में वर्ष 2021 के नियम का पालन किया जा रहा है। हर चार साल में नियम में संशोधन किया जाता है मगर इस पर अपडेट नहीं किया गया है। दूर के रिश्तेदारों के सर्टिफिकेट के आधार पर एनआरआई कोटे से एडमिशन गलत है। एनआरआई को नियम में बदलाव किया जाता है तो इसका लाभ वास्तविक हकदार छात्रों को मिलेगा।

शासन स्तर का मामला

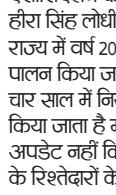

काउंसिलिंग में निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है। इसमें बदलाव अथवा संशोधन शासन स्तर का मामला है।

किरण कौशल
आयुक्त चिकित्सा शिक्षा

हरिभूमि ने प्रदेशभर के विद्वानों से की रायशुमारी

पुजारी बोले- संशय में मत रहिए 31 को ही मनाएं दीपावली

रायपुर-प्रदीप शर्मा, राजनांदगांव-सचिन अग्रहरि, बिलासपुर की रिपोर्ट

पंचांग में अलग-अलग तारीखों के कारण दीपावली त्यौहार में संशय की स्थिति निर्मित हो गई है। देश में कही दीपावली 31 अक्टूबर को और कहीं 1 नवंबर को मनाई जा रही है। इस संशय को दूर करने के लिए हरिभूमि ने प्रदेश के प्रमुख पुजारियों से पूछा कि दीपावली कब मनाएं। देवी मंदिरों के पुजारियो ने स्पष्ट किया है कि आगामी 31 अक्टूबर को अमावस्या शुरू हो जाएगी और इस दिन ही लक्ष्मी पूजन का विशेष मुहूर्त है। पुजारियों ने यह भी कहा कि लक्ष्मी पूजन शाम से देर रात्रि तक किया जाता है, एक नवंबर को शाम पांच बजे के बाद प्रतिपदा लग जाएगी इसलिए दीपोत्सव पर्व 31 अक्टूबर को ही मान्य होगा। वहीं 23 और 24 अक्टूबर को ▶▶ शेष पेज 2 पर

हरिभूमि खास

31 को ही मनेगी

दीपावली का पर्व प्रदोष काल में लक्ष्मी जी का स्वागत कर मनाया जाता है। सिंह लग्न में अलक्ष्मी का निस्तारण करते हैं। यदि 1 को तारीख को दीपावली मानेंगे तो प्रदोषकाल में भी अमावस्या नहीं है, और सिंह लग्न में भी अमावस्या नहीं है। इसलिए 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनेगी।

-डॉ. इंदुभवानंद सरस्वती, प्रभारी शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला

31 को ही मनाएं दीपावली

बिलासपुर के पंडित वेद प्रकाश मिश्रा ने बताया की दीपावली में अमावस्या का ही प्रभाव होता है। इसी दिन दीपदान एवं लक्ष्मी पूजन किया जाना चाहिए। 31 अक्टूबर को अमावस्या रहेगी। 1 नवंबर को शाम 4बजे के बाद अमावस्या नहीं है।

मथुरा में 31 और अयोध्या में एक नवंबर को दीपोत्सव

पंचांग में अलग अलग तिथियां होने के चलते देशभर के मंदिरों में भी अलग अलग तिथि में दीपोत्सव मनाया जा रहा है। काशी, उज्जैन, तिरुपति मंदिर, मथुरा-वृंदावन और द्वारका मंदिर में 31 अक्टूबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। वहीं अयोध्या, रामेश्वरम के मंदिरों में एक नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी।

लक्ष्मी पूजन अमावस्या में

अमावस्या 31 अक्टूबर को शुरू होगी। लक्ष्मी पूजन शाम से रात तक अमावस्या में ही किया जाता है। एक नवंबर को शाम चार बजे के बाद प्रतिपदा लग जाएगी। 31 अक्टूबर को ही दीपोत्सव मनेगा। उसके बाद मुहूर्त शुभ नहीं है।

-पंडित संतोष शर्मा, पुजारी महामाया मंदिर बिलासपुर

31 को ही मनेगी दीपावली

छत्तीसगढ़ में दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा। क्योंकि इस दिन शाम को अमावस्या तिथि लग जाएगी जो पूरे रात भर रहेगी। दीपावली पर्व पूर्णतः तिथि पर चलने वाला पर्व है। इसलिए प्राचीन पद्धति और पंचाग के अनुसार छत्तीसगढ़ में 31 तारीख को ही दीपावली बनाई जाएगी। जबकि उज्जैन, इंदौर, बनारस में तिथि को लेकर मत भिन्नता है क्योंकि वहां आधुनिक प्रणाली से कंप्यूटर की गणना कर तिथि निकालते हैं।

-पंडित मनोज शुक्ला, पुजारी महामाया मंदिर पुरानी बस्ती रायपुर।

31 को दिवाली

31 अक्टूबर को अमावस्या शुरू होकर एक नवंबर को शाम चार बजे तक है। दीपावली का त्यौहार 31 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा। इसमें किसी तरह का संशय नहीं होना चाहिए। 31 को ही दीपावली मनाया जाना उचित है।

-पंडित युवराज शर्मा, पुजारी, मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़

दो हमलावर गिरफ्तार

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की सरेआम गोली मारकर हत्या

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। शनिवार की देर रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट में उन पर कई राउंड फायरिंग की गई। इसके बाद उनको गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि उनको सीने और पेट में 2-3 गोलियां लगी थीं। वो अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर गए हुए थे। उसी वक्त उन पर अचानक गोलीबारी हो गई। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस ने सुपारी किलिंग की आशंका जताई है।

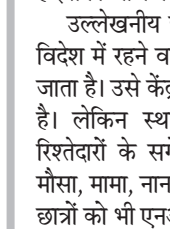

इस गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में हुए थे शामिल

इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर बाबा सिद्दीकी एनसीपी (अजीत पवार गुट) में शामिल हुए थे। वो पिछले 48 साल तक कांग्रेस में रहे थे। उस वक्त उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे पर लिखा था, मैं एक युवा किशोर के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में शामिल हुआ था। यह 48 वर्षों तक चलने वाली एक महत्वपूर्ण यात्रा रही।

महाराष्ट्र सरकार में रहे राज्यमंत्री

बांद्रा पश्चिम से तीन बार विधायक रहे बाबा सिद्दीकी महाराष्ट्र में राज्य मंत्री रह चुके हैं। वे महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुंबई डिवीजन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने राजनीति की शुरुआत एक छात्र नेता के रूप में की थी। पहली बार बीएमसी में कॉरपोरेटर चुने गए थे। साल 1999, 2004 और 2009 में बांद्रा वेस्ट से विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

नवमी के अवसर पर माता का श्रृंगार

मां महामाया के मस्तक पर डेढ़ करोड़ का मुकुट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर में महानवमी के शुभ अवसर पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा मॉ महामाया देवी का दो किलो वजनी सोने का मुकुट पहनाकर राजसी श्रृंगार किया गया। कोलकाता के कारीगरों ने दो माह में इस मुकुट को तैयार किया है। मंदिर के ट्रस्टी अरूण शर्मा ने बताया कि इसके लिए पूर्व में योजना बनाई गई थी। मंदिर में अब तक जितना भी सोना माता को समर्पित किया गया था, सभी को जोड़कर माता के लिए उक्त भव्य मुकुट बनवाया गया है। उन्होंने बताया कि माता का श्रृंगार अच्छे से अच्छा हो, इसके लिए ट्रस्ट द्वारा निरंतर प्रयास किया जाता है। मां महामाया देवी का नए मुकुट से श्रृंगार होने के बाद प्रतिमा का स्वरूप बेहद सुंदर हो गया है।

- कोलकाता के कारीगरों ने बनाया है मुकुट
- मुकुट बनवाने में खर्च किए गए आठ लाख रुपए

श्री शर्मा ने बताया की इस कीमती मुकुट की सुरक्षा का भी ध्यान रखना आवश्यक है, इस वजह से हर नवरात्र की नवमीं पर ही एक दिन के लिए इस मुकुट से माता का श्रृंगार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त मुकुट कोलकाता के कारीगरों द्वारा बनाया गया है। मुकुट को ▶▶ शेष पेज 2 पर

दीपावली में राजसी श्रृंगार

ट्रस्टी श्री शर्मा ने बताया कि सोने का यह मुकुट शनिवार रात 12 बजे उतार लिया जाएगा। इसके बाद सिर्फ दिपावली के दिन इस सोने के मुकुट से माता का राजसी श्रृंगार होगा। उस दिन यह मुकुट उन्हें पहनाया जाएगा। हर दिन इसी मुकुट से पूजा करना संभव नहीं है, इसलिए यह व्यवस्था की गई है।

वर्ष में तीन बार ही

करोड़ों रुपए की लागत से बने इस मुकुट की सुरक्षा करनी भी बड़ी जिम्मेदारी है। इसका मंदिर ट्रस्ट ने ध्यान रखा है। ट्रस्ट द्वारा मुकुट को बैंक के लॉकर में सुरक्षित रखाया जाएगा। साल में दोनों नवरात्र की नवमी और दीपावली के दिन इस मुकुट से माता का श्रृंगार किया जाएगा।

भारत की 'विजय' दशमी

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग लादेश पर 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। आखिरी टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 133 रन से हराया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 164 रन ही बना सकी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में रिकॉर्ड 297 रन बनाए थे। भारत ने टी20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

रामलीला के दौरान वानर बनकर माता सीता की खोज में निकले दो कैदी फरार

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

उत्तराखंड के हरिद्वार शहर में रामलीला के मंचन के दौरान 2 कैदियों के जेल से भागने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। कैदियों की पहचान पंकज और राजकुमार के रूप में हुई। दोनों रोशनाबाद स्थित जिला जेल में चल रही रामलीला में वानर सेना के सदस्य बने थे।

- कारागार में रामलीला मंचन के दौरान हुई यह घटना

रिपोर्ट के अनुसार, हरिद्वार जिला जेल में रामलीला की पुरानी परंपरा है, जिसका प्रबंधन पूरी तरह से ▶▶ शेष पेज 2 पर

वानर सेना का हिस्सा थे

मीडिया में आई खबरों के अनुसार, दोनों कैदी हनुमान के नेतृत्व वाली वानर सेना के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर सीता की खोज कर रहे थे, जिनका रावण ने अपहरण कर लिया था। वे अभिनय के दौरान मंच से चले गए, जिसे दर्शकों ने मंचन का हिस्सा माना। कुछ देर बाद जब दोनों सीता की खोज से वापस नहीं लौटे, तो दर्शकों और अधिकारियों को संदेह होने लगा कि कुछ गड़बड़ है।

राज्य का बड़ा निर्णय, केंद्र सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ में बनेगी फिल्म सिटी, 250 करोड़ का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बॉलीवुड की बढ़ती दिलचस्पी के बाद राज्य में फिल्म सिटी निर्माण की लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। राज्य सरकार ने फिल्म सिटी बनाने का निर्णय लिया है। फिल्म सिटी बनाने के लिए संस्कृति विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। फिल्म सिटी निर्माण के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाया गया है। नवा रायपुर में प्रारंभिक तौर पर इसके लिए करीब दो सौ एकड़ ▶▶ शेष पेज 2 पर

खास खबर

- संस्कृति विभाग ने बनाया 250 करोड़ का प्लान, नवा रायपुर में बनाने की तैयारी

राज्य सरकार बनाएगी नए सिरे से फिल्म नीति

फिल्म सिटी के साथ ही राज्य सरकार फिल्म नीति भी तैयार की जाएगी, जिसमें फिल्मों को मिलने वाले अनुदान से लेकर फिल्मों की दशा-दिशा तय की जाएगी। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में काम करने वालों को इससे लाभ होगा साथ ही रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। राज्य में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में लगे निर्माता और कलाकारों को भी फिल्मों से संबंधित प्रशिक्षण और अन्य सुविधाओं से इसे विकसित किया जाएगा। राज्य के रंगमंच और अन्य विधा से जुड़े लोगों को फिल्म सिटी बनने अपने कला को और निखारने में मदद मिलेगी।

फिल्म निर्माण से संबंधित सुविधाए विकसित होंगी

बताया जाता है कि एक फिल्म निर्माण से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही जगह मिले इसे लेकर अधोसंरचना फिल्म सिटी में विकसित होंगे। फिल्म निर्माण और स्टूडियो से संबंधित यूनिट स्थापित होंगी, जिसमें ओपन स्ट्रक्चर स्टूडियो, साउंड स्टेज, आउटडोर सेट आदि होंगे। फिल्म इंडस्ट्री के लिए विभिन्न प्रकार के सामान व उपकरण बनाने वाली यूनिट भी यहां होगी। मनोरंजन के लिए भी यहां पर लोकेशन तैयार होंगे।

फिल्म से संबंधित सारे कार्य एक जगह

फिल्मों से संबंधित सभी सुविधाओं को एक जगह पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। फिल्म सिटी में शूटिंग के लिए स्टूडियो से लेकर मिक्सिंग-डबिंग और एडिटिंग आदि की सुविधाएं भी दी जाएगी। हालांकि अफसरों ने इसके संबंध में बनाए गए प्रस्ताव के बारे में अभी खुलासा नहीं कर रहे हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद इस पर तेजी से काम शुरू होगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 13 अक्टूबर 2024

आज की तनावपूर्ण और भागम-भाग वाली जीवनशैली में हम सबका मूड अकसर खराब होता रहता है। इससे हमारी पर्सनल ही नहीं प्रोफेशनल लाइफ पर भी असर पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय अगर हम कुछ एक्टिविटीज को फॉलो करें तो हमारा ऑफ मूड मिनटों में चीयरफुल हो सकता है। कैसे, बता रहे हैं आपको।

जब हो मूड खराब ऐसे बनाएं चीयरफुल

{ कवर स्टोरी / विवेक कुमार }

हम में से कोई भी डेली लाइफ में आने वाली परेशानियों को रोक नहीं सकता है। लेकिन परेशानियों से उपजने वाले तनाव को दूर किया जा सकता है। इसका सबसे आसान तरीका है कि जब हम परेशानियों से घिरे हों, तब कुछ ऐसा किया जाए कि देखते ही देखते हमारा मूड बदल जाए। ऐसा कभी-कभी तो संयोग से होता है, लेकिन संयोग से होने वाली किसी चीज से हम निश्चित फायदा नहीं ले सकते। क्योंकि संयोग कभी सुनिश्चित नहीं होता। लेकिन कई ऐसे तरीके हैं, जिससे हम चाहें तो अपनी मर्जी से अपना मूड बदल सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञ इन्हें माइंडफुलनेस एक्टिविटीज कहते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हम थोड़े अभ्यास के जरिए ना सिर्फ इनमें पारंगत हो सकते हैं बल्कि इनका फायदा भी उठा सकते हैं। तो आइए जानें कि मूड बदलने के ऐसे कौन-कौन से मजबूत उपाय हो सकते हैं, जिनसे हम तनाव के समय, गहरे अवसाद के समय या समझ में ना आ रही बेचैनी से छुटकारा पा सकते हैं।

खाएं मनपसंद खाना

जी हां, आपने सही पढ़ा। ऐसा खाना जिसका नाम सुनकर आपके जीभ में पानी आ जाए। तनाव या बेचैनी के समय ऐसा खाना एक झटके में हमारे मूड को बदल देता है। मनपसंद या स्वादिष्ट खाने के संबंध में एक बड़ा आश्चर्यजनक और फायदेमंद तथ्य यह है कि दुनिया में करीब-करीब हर शख्स किसी ना किसी एक व्यंजन का दीवाना होता है। बहरहाल, अगर आप बेचैन हैं, कोई बात समझ में नहीं आ रही, उद्विग्न हैं, कहीं मन नहीं लग रहा, कोई चीज अच्छी नहीं लग रही, तो अपने सबसे पसंदीदा खाने को ऑर्डर करिए और आनंद से इसे खाइए। खाने को ऑर्डर करने की बात दिमाग में आते ही 10 फीसदी आपका तनाव कम हो जाएगा। ऑर्डर कर देने के बाद 25 फीसदी तनाव कम हो जाएगा और जब आपका पसंदीदा स्वादिष्ट खाना आप तक पहुंच जाएगा तो पहला निवाला लेने के पहले ही आप 50 फीसदी तनाव से निकल चुके होंगे। आगे आप समझदार हैं। अपने पसंदीदा खाने की पहली बाइट लेते ही आप तनाव बिल्कुल भूलने लगेंगे और जब भरपेट खाकर संतुष्टि की सांस लेंगे तब तक तनाव कहीं विलीन हो चुका होगा।

नहाना भी है कारगर

मूड खराब है और कुछ समझ में नहीं आ रहा है तो हल्के ठंडे-ठंडे पानी में आराम से थोड़ी देर तक नहाइए। टब के शीतल पानी में पांच से सात मिनट तक पड़े रहिए। सर्दियां हैं तो गुनगुने पानी का शावर लीजिए और अगर सामान्य मौसम है तो सामान्य पानी से नहाइए। आप महसूस करेंगे कि नहाते ही आपके दिल और दिमाग से तनाव का बोझ कम हो जाएगा। शरीर में हल्कापन महसूस होगा। तनाव या बेचैनी के समय नहाना सदियों से इन समस्याओं से पार पाने का उपाय माना जाता रहा है। प्राचीनकाल में जब किसी को बहुत गुस्सा आ जाता था और उसे अपने उस गुस्से से निकलने की कोई तरीका नहीं सूझता था, तो लोग नदी या तालाब में कूद जाते थे और थोड़ी देर जमकर नहाते थे, इससे उनको बेहद सुकून मिलता था। आप भी ऐसा कुछ कर सकते हैं।

पहेलियां सुलझाइए

आपको शायद मजाक लग रहा होगा लेकिन यह सच है कि वाकई पहेलियां सुलझाना हमें तनावमुक्त करने की बहुत जांची-परखी और ठोस गतिविधि है। जब हम तनावग्रस्त हों, सिर फटा जा रहा हो, कुछ सूझ ना रहा हो, उस समय अगर हम इतने स्वस्थ हैं कि किसी के साथ बैठकर पहेलियां पूछ या बता सकते हैं या खुद ही अकेले बैठकर पहेलियों में उलझ सकते हैं, तो कहना ना होगा कि आपकी यह तरकीब आपको हर हाल में तनावमुक्त कर देगी। दरअसल, पहेलियां बूझने या हल करने दोनो ही तरीके, हमारे लिए बहुत कारगर हो सकते हैं। पहेलियां हमारे दिमाग को एक्टिव करती हैं। जिग्सा पजल, क्रॉस वर्ड, सुडोकू, दो तस्वीरों में अंतर पहचानना, ये ऐसी पहेलियां हैं, जो हम सबको पसंद आती हैं। इनको सुलझाने में जब दिमाग बिजी होता है तो अपने भीतर के तनाव को भूल जाता है।

खेलिए मनपसंद खेल

मैदान में और टीम के साथ खेले जाने वाले खेलों के इतर भी कई खेल ऐसे होते हैं या कहें कि खेल जैसी गतिविधियां, जिन्हें हम पसंद करते हैं। जैसे मोबाइल में अपना कोई मनपसंद खेल खेलना। ताश के पत्ते भी किसी के साथ खेले जा सकते हैं। ऑनलाइन आजकल इतने गेम हैं और अगर आपकी रूचि किसी खेल विशेष में है तो तनाव के समय जब कुछ समझ में ना आ रहा हो तो इससे कैसे निपटें तो अपने पसंदीदा खेल में डूब जाइए। अगर आपकी रुचियों में कोई खेल शामिल नहीं है तो कोई ना कोई तो गतिविधि ऐसी होगी, जिसे आप जी जान से चाहते होंगे मसलन, आपको मनपसंद फिल्मी गीत सुनने का शौक होगा, मनपसंद कहानियां पढ़ने का शौक होगा। किसी से बात करने का। लब्बोलुआब यह है कि जो भी गतिविधि आपको दिल से अच्छी लगती हो, उसे करिए, आपका तनाव काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

देखिए आंखें भरकर

हालांकि इस गतिविधि में सतर्क रहने की जरूरत होती है क्योंकि किसी को आंखें भरकर देखना कई बार गुस्सा या नाराजगी का कारण बन जाता है। इसलिए जब तनावग्रस्त हों तो किसी खूबसूरत पेड़, किसी खूबसूरत पेंटिंग, किसी नदी, खूबसूरत झरना या किसी खूबसूरत व्यक्ति को भी खूब गहरी निगाहों से यानी उसमें डूबकर देखा जा सकता है। ऐसे देखने से शरीर को बहुत तेजी से जबर्दस्त रिलैक्सेशन मिलता है। तीन से पांच मिनट के भीतर यह देखना सिर्फ देखना नहीं रह जाता। दिलों की धड़कन भी बन जाता है। ऐसा करने से हमारा दिमाग उसमें इतना खो जाता है कि तनाव के लिए कोई जगह ही नहीं बचती है।

इस तरह यहां बताए गए ये कुछ उपाय हैं, जो हमारे तनाव को दूर भगाते हैं और हमारे बिगड़े मूड को चीयरफुल बनाते हैं। *

हमारी मुट्ठी में होंगे हैप्पी हार्मोन

हम सब मानते हैं कि खुश रहना, हमारे आस-पास की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कुछ हद तक यह सही है लेकिन अगर हम अपने हैप्पी हार्मोन को एक्टिवेट करना सीख जाएं तो हर कंडीशन में खुश रह सकते हैं। कैसे, बता रहे हैं आपको।

{ लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन }

विज्ञान कहता है कि हमारे दिल और दिमाग को खुशी पहुंचाने में चार हारमोंस की विशेष भूमिका होती है। ये हार्मोन एक प्रकार के केमिकल होते हैं, जिनका उत्पादन हमारे शरीर में होता है। ये हैं- डोपामाइन, सेरोटोनिन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन। यही वे हार्मोन हैं, जिनका सही लेवल हमें प्यार, आनंद और खुशी का एहसास दे सकता है और इनका कम लेवल हमारा मूड ऑफ करके हमें चिड़चिड़ा, गुस्सैल और उदास बना सकता है। हम थोड़ी सी सूझबूझ और सिंपल ट्रिक्स अपना कर अपने भीतर इनका सही लेवल मेंटेन कर सकते हैं।

फील गुड कराए डोपामाइन

इसे हम शाबासी देने वाला हार्मोन कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जब हम कुछ अचीव करते हैं या कुछ अच्छा अनुभव प्राप्त करते हैं तो यह हमारे शरीर में स्रावित होने लगता है। जैसे हम अपनी फेवरेट डिश खाकर आनंद प्राप्त करते हैं या कोई टास्क पूरा करते हैं तो यह हमें संतुष्टि का एहसास देता है। इसका उत्पादन ट्रिगर करने के लिए, हमें दिन में कई ऐसे छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, जो

किसी बड़े लक्ष्य का हिस्सा हों। जैसे-जैसे आप इन्हें हासिल करते जाएंगे, आपको डोपामाइन का कोटा मिलता जाएगा। हां, हमें आदत डालनी चाहिए छोटी-छोटी उपलब्धियों को सेलिब्रेट करने की। साथ ही आपको ऐसी एक्टिविटीज में इंवॉल्व होना चाहिए, जो आपको दिल से पसंद हों। जैसे किताबें पढ़ना, बागवानी करना या म्यूजिक सुनना।

डिप्रेशन से बचाए सेरोटोनिन

यह एक प्रकार का अवसादरोधी और मूड को नियंत्रित करने वाला हार्मोन है। यह हमारे मन में खुशहाली और 'एवरीथिंग इस ओके' यानी सब ठीक-ठाक है के भाव जगाता है। जब हमारे शरीर में इसकी समुचित मात्रा होती है तो हम खुश, शांत और अपने कामों के प्रति ध्यान लगाने में सक्षम होते हैं। वहीं इसकी कमी हमें चिंतित, अस्थिर और बेचैन कर देती है। शरीर में इसका सही स्तर बनाए रखने के लिए हमें रोज कम से कम 10-15 मिनट धूप में कुदरती माहौल में रहना चाहिए, नियमित एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। साथ ही हमें जो कुछ ईश्वर ने दिया है, उसके लिए आभार व्यक्त करना चाहिए। ऐसा करने पर हम प्रसन्न महसूस करेंगे।

प्यार का एहसास कराए ऑक्सीटोसिन

यह हार्मोन हमारे मन में ऐसे भाव जागृत करता है मानो कोई हमें प्यार से सहला रहा हो, पुचकार रहा हो

और हमारी पीठ थपथपा रहा हो। इसके सही लेवल से हमारे मन में प्यार, जुड़ाव, विश्वसनीयता और अपनेपन का भाव आता है। जब हमें कोई स्पर्श करता है या हमारा सामाजिक या पारिवारिक सम्मान करता है तो हमारे शरीर में इसका स्राव होता है। इसके उत्पादन के लिए हमें किसी से हाथ मिलाना चाहिए, उसकी पीठ पर हाथ रखना चाहिए या उसे गले से लगाना चाहिए। किसी प्रिय मित्र, आत्मीय स्वजन या जिससे हमें प्यार हो उसके साथ बातें करने और समय बिताने से इसका स्राव होता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को गिफ्ट देते हैं या गिफ्ट प्राप्त करते हैं तो इसका लेवल बढ़ता है।

दर्द करे दूर एंडोर्फिन

यह हार्मोन प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करता है। जब भी हम तनाव और उदासी में होते हैं और असहज महसूस करते हैं तब इसका स्राव, किसी दर्द निवारक के रूप में काम करता है। इसका उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए हमें ठहाके मारकर हंसना चाहिए। इसके लिए हम कोई कॉमेडी मूवी या प्रोग्राम देख सकते हैं या फिर

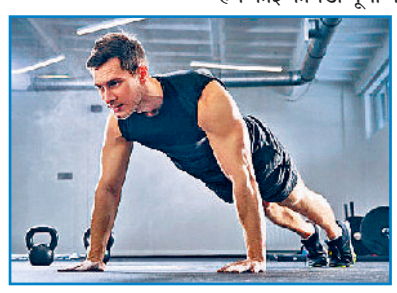

दोस्तों के साथ हंसी-मजाक कर सकते हैं। एक्सरसाइज और वर्कआउट से भी इसका उत्पादन और स्राव होता है। साथ ही शरीर में इसके हाई लेवल के लिए मसालेदार और चटपटा भोजन करना भी फायदेमंद हो सकता है। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

अच्छी शायरी हो जाएगी

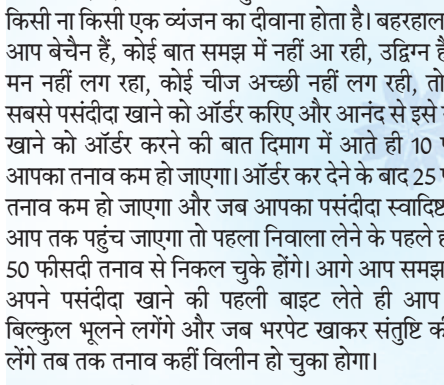

अंदाजा नहीं था कि आंख बहरी हो जाएगी
खामोशी का शोर सुनकर रात गहरी हो जाएगी
सिर्फ खुद के बारे में सोचने का हुनर आ जाए
फिर कोई कहीं भी रहे जिंदगी शहरी हो जाएगी
तुम्हारे नुकसान की खबर छुपा कर रखना वरना
बैठे बिठाए दुनिया के लिए खुशखबरी हो जाएगी
तुम लोगों को सुधारने का दावा करो इससे पहले
बताओ तुम्हारी फितरत में कब बेहतरी हो जाएगी
तुम्हारे पैरों के नीचे से थोड़ी जमीन हटानी है मुझे
उसके बाद हम दोनों के कद में बराबरी हो जाएगी
मुझे कलम की नहीं कुछ मोहब्बत की जरूरत है
मैं दिल से लिखने लगा तो अच्छी शायरी हो जाएगी

{ लघुकथाएं }

उसका चेहरा नहीं देख सकती

दुलारी जब भी अपनी पड़ोसन सत्तू के घर के पास से गुजरती जोर-जोर से उसको आवाज देती, 'अरे सत्तू जिंदा है या मर गई?'

सत्तू हंसते हुए घर से निकलकर दुलारी से कहती, 'अभी जिंदा हूं। आ ना.. दुलारी चाय पीकर जाना।'

फिर दोनों साथ चाय पीते और अपने घर-परिवार की बातों में घंटों गुजार देते। कई वर्षों से उन दोनों में इसी प्रकार का स्नेहमयी रिश्ता पल रहा था।

एक दिन सुबह का समय था। दुलारी नहा-धोकर पूजा कर रही थी। तभी दुलारी की बहू तेजी से पूजा वाले कमरे में आई और भरे गले से कुछ झिझकते हुए दुलारी से बोली, 'अम्मा, एक बात कहनी है।' दुलारी ने बहू की तरफ देखते हुए पूछा, 'क्या बात है बहू.. क्यों घबराई हुई लग रही है?'

'अम्मा, आपकी सहेली सत्तू शांत हो गई हैं।' बहू ने बताया।

यह सुनकर दुलारी जोर से चिल्ला पड़ी, 'यह क्या कह रही है बहू..' और उसकी आंखें झर-झर बह पड़ीं। बहू ने दुलारी को गले से लगा लिया। कुछ देर दोनों रोते रहे फिर बहू ने आंसू पोंछते हुए दुलारी से कहा, 'अम्मा चलो हमें उनकी अंतिम यात्रा में जाना है।'

दुलारी ने भरे गले से कहा, 'नहीं बहू, मैं नहीं जाऊंगी। मैंने हमेशा सत्तू को हंसते-खिलखिलाते देखा है, अब उसका शांत-निर्जीव चेहरा नहीं देख सकती।' यह सुनकर बहू सन्न रह गई। *

-पुरुषोत्तम व्यास

जरूरत

आप भी गजब करते हैं! यह रद्दी किताबें आपने उधर गेट पर रख दीं!' मोहन जी को पत्नी ने टोका।

'ये किताबें मैंने किसी कारण से वहां रखी हैं रमा।' मोहन जी बड़े संयमित स्वर में बोले। रमा कुछ नाराजगी से बोलीं, 'अरे, अभी-अभी कबाड़ी वाला आवाज लगाकर गया है। उसे जानबूझ कर आपने किताबें नहीं दीं। अच्छे दाम मिल जाते।' 'उधर देखो तो सही रमा...।' मोहन जी ने बाहर गेट की ओर इशारा किया। गेट के बाहर की

तरफ सड़क पर झाड़ू लगाने वाली सुशीला के साथ कुछ बच्चे आकर बैठ गए थे। वे रंग-बिरंगी किताबें देखकर खुश दिख रहे थे। बच्चे गेट पर आराम से बैठ गए। सभी बच्चे मिल-जुलकर मजे से उन किताबों को पढ़ने की कोशिश करने लगे।

'तुमने देखा रमा, हमारे नाती-पोते की कक्षा दो-तीन की रखी रंग-बिरंगी किताबें इन बच्चों के लिए अनमोल खजाना हैं।' मोहन जी ने कहा तो रमा को भी उनकी बात बहुत पसंद आई। *

-मुग्धा

हक

आज भी सुबह की रौनक रोज की जैसी ही थी। सड़क पर झाड़ू से कचरा बुहारने की आवाज आ रही थी। साथ ही उसी सड़क पर हंसते हुए कुछ बच्चे बस्ता लेकर अपने स्कूल जा रहे थे। बच्चे किसी बात पर हंसकर ताली बजाकर खिलखिला रहे थे। उनको देखकर एक सफाईकर्मी युवक को भी खुशी का संक्रमण हो गया। वह भी ताली बजाकर हंसने लगा। तभी वहां खड़े एक उम्रदराज व्यक्ति ने अपनी भवें चढ़ाकर सफाईकर्मी को संकेत में डपटा, 'तेरी इतनी हिम्मत, चल सफाई कर।'

उम्रदराज व्यक्ति के गुस्से को समझते हुए सफाईकर्मी युवक एकदम से सकपका गया। एक बच्चे ने यह बात ताड़ ली। वह उस युवक के करीब गया, जोर से ताली बजाकर प्यार से बोला, 'आप भी ताली बजाओ.. आप भी हंसो...! हमारी टीचर कहती हैं, हंसना-खिलखिलाना तो सबका अधिकार है।'

यह सुनकर युवक की जो हंसी फूटी कि वह उम्रदराज व्यक्ति देखता ही रह गया। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कुछ जरूरी सवाल

प्रबुद्ध शिक्षाविद, सामाजिक और राजनीतिक चिंतक राजीव भार्गव की किताब 'बिटवीन होप एंड डिस्पेयर' का हिंदी अनुवाद हाल में ही 'राष्ट्र और नैतिकता' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। इस पुस्तक में लेखक के सौ समसामयिक निबंधों को संकलित किया गया है। हालांकि ये सभी लेख बीते कुछ वर्षों में दैनिक अखबार में प्रकाशित हो चुके हैं, लेकिन इनमें लेखक जिन सवालों को उठाते हैं, उनकी प्रासंगिकता बनी हुई है और आने वाले समय में भी बनी रहेगी, इसमें संदेह नहीं। वास्तव में ये लेख किसी एक देश या समाज से ही संबंधित नहीं हैं बल्कि संपूर्ण मनुष्यता से जुड़े हुए हैं। इनमें उठाए गए सवाल किसी वर्ग विशेष, राजनीतिज्ञों या

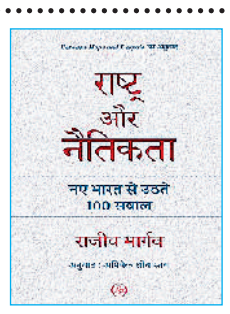

शासकों को कठघरे में खड़ा नहीं करते, अपितु हर उस व्यक्ति को उद्वेलित करते हैं, जो बेहतर समाज और दुनिया के लिए नैतिकता को सबसे जरूरी मानता है। यहां सामाजिक विद्वेष, धार्मिक उन्माद, राजनीतिक क्षरण, वैश्विक वर्चस्व की जंग, शासकों की अमानवीयता जैसे अनेक विषयों को बहुत संवेदनशीलता के साथ ना केवल उठाया गया है, उनके अनेक आयामों पर गहनता से विचार भी किया गया है। मानव समाज के समक्ष उपस्थित इन गंभीर सवालों को लेकर लेखक अपनी सबसे बड़ी चिंता कुछ इस तरह प्रकट करते हैं, 'इसके बावजूद मनुष्य की प्रजाति सीखने को तैयार नहीं है। संगठित हिंसा जैसी चीजें हमारे बिल्कुल सामने हैं लेकिन आज के ताकतवर शासक उनकी उपेक्षा किए चले जाते हैं।' *

पुस्तकः राष्ट्र और नैतिकता, लेखकः राजीव भार्गव, अनुवादः अभिषेक श्रीवास्तव, मूल्यः 499 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- कंडक्टर यात्रियों से जगदलपुर से रायपुर के लिए दिन में 495 की जगह ले रहे 550 रुपए किराया
- बसों व बस स्टैंड में किराया सूची नहीं होने से बसों में कंडक्टर व यात्रियों के बीच हर दिन विवाद की स्थिति

बे-बस यात्री, तय से अधिक वसूल रहे किराया ऑनलाइन खरीदने पर भी सौ से अधिक का अंतर

रायपुर-ललित राठोड़, जगदलपुर-महेंद्र विश्वकर्मा, राजनांदगांव-हफीज खान, धमतरी-दिलीप देवांगन और बिलासपुर-कोमल सिंह की विशेष रिपोर्ट

बसों में यात्रियों से मनमाने किराए की वसूली पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग ने बीते दिनों बस संचालकों को सख्त निर्देश दिया था कि यात्रियों से निर्धारित से अधिक किराया न लिया जाए। विभाग ने इसके लिए बसों में किराए की सूची अनिवार्य रूप से लगाने कहा था। वर्तमान में बसों में यह सूची लग चुकी है, लेकिन किराया अब भी यात्रियों में अधिक ही वसूला जा रहा है। हरिभूमि ने एक साथ रायपुर, बिलासपुर राजनांदगांव व जगदलपुर में बसों के किराए ▶▶शेष पेज 2 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

यात्रियों से वसूल रहे मनमाना किराया

बिलासपुर। बसों का सफर यात्रियों के लिए किसी परेशानी से कम नहीं है। बस संचालकों की मनमानी के चलते यात्रियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बस संचालक सवारियों से अधिक किराया तो वसूल ही रहे हैं, दूसरे नियमों की भी अनदेखी कर रहे हैं, सवारियों को ठूंस-ठूंसकर भरने का मामला हो या फिटनेस-परमिट का, किराया सूची चस्पा करने की बात हो या सीटों के आरक्षण की, सभी बातों में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अचरज की बात यह है कि परिवहन विभाग हर बार जांच करने का दावा करता है, लेकिन कार्रवाई किसी के खिलाफ नहीं की जाती है। ▶▶शेष पेज 2 पर

रायपुर

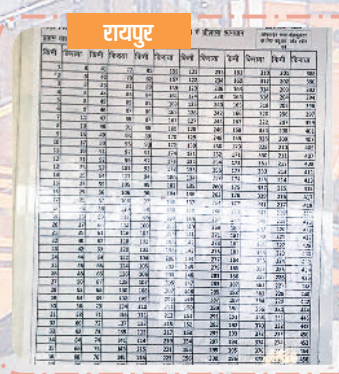

धमतरी

बसों से गायब है किराया सूची

राजनांदगांव। त्योहारों का सीजन में लगातार बसों में यात्रियों को मनमाने किराया वसूला जा रहा है। बसों में भीड़ की वजह से किराया भी बढ़ा दिया जाता है। बस में सफर करने वाले भंडारपुर निवासी डोमन सिंह बताया कि शिकायत के बाद भी अधिक किराया लिया गया। राजनांदगांव जिला मुख्यालय से धमतरी, मानपुर, डोंगरगढ़, खैरागढ़, ▶▶शेष पेज 2 पर

यात्री बसों में टंगी है किराया सूची, लेकिन पढ़ पाना मुश्किल

धमतरी। तीज त्योहार का सीजन चल रहा है। यात्री वाहन खासकर बसों में यात्रियों की खासी भीड़ चल रही है। इस दौरान बसों में राशि वसूली को लेकर हरिभूमि ने लाइव कवरेज किया। इस दौरान पाया कि निर्धारित दर पर किराया तो लिया जा रहा है, लेकिन स्टेट हाईवे में चलने वाली आखरी बसों में अधिक किराया वसूल करने की शिकायत मिली है। रायपुर रोड में चलने वाली बसों में सुविधा के हिसाब से अलग-अलग किराया लिया जा रहा है। धमतरी से रायपुर जाने वाले यात्री रामेश्वर साहू ने बताया कि लक्जरी बस में रायपुर तक का किराया 120 रूपये, अभनपुर 80 रूपये तथा कुरूद का किराया 40 रुपए हैं। वहीं साधारण बस सेवा में कुरूद का 40 रुपए, अभनपुर 70 रुपए तथा ▶▶शेष पेज 2 पर

- चिल्हर का हवाला देकर 2 से 3 रुपए अधिक किराया लेने की शिकायत

खबर संक्षेप

पीएम मोदी 21 को रीवा हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के रीवा में नए हवाई अड्डे का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन करेंगे।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने शुक्रवार को उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा की। इसमें कहा गया है कि 21 अक्टूबर को रीवा में उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

दुर्घटनास्थल का सुरक्षा आयुक्त ने किया निरीक्षण

चेन्नई। रेलवे सुरक्षा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेन्नई के समीप कावरापेट्टई स्थित रेल दुर्घटना स्थल का शनिवार को वैधानिक

निरीक्षण किया। रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर सिग्नल, 'स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम', नियंत्रण पैनल और परिचालन पहलुओं का गहन निरीक्षण किया।

मिट्टी के ढेर में दबने से दो बच्चों की मौत

दुमका। झारखंड में दुमका जिले के जोगिया मोड़ पर खेलते समय मिट्टी के ढेर के नीचे दब जाने से दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की

पहचान मोहम्मद आरिफ और मोहम्मद सोइफ (आयु 10-12 वर्ष) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना दुमका-देवघर मार्ग पर एक ओवरब्रिज के निर्माण स्थल के पास हुई।

हरिभूमि सुबह 4 बजे सब्जी मंडी में...

त्योहारी सीजन में सब्जियों के बढ़ते दाम ने एक बार फिर घरों तक का जायका बिगाड़ दिया है। बाजार में प्रमुख सब्जियों के दाम 100 का आंकड़ा छूने लगे हैं। इस लिस्ट में गोभी सबसे आगे हैं, जो बाजार में 100 से 110 के बीच बिक रहा है। इसके बाद टमाटर, करेला और फिर भिंडी और बरबट्टी शामिल है। सब्जियों के दाम अधिक होने के पीछे थोक व्यापारी स्थानीय आवक कम बता रहे हैं, वहीं बिचौलियों की भूमिका भी कीमत बढ़ाने में अहम है।

किसानों ने 55 रुपए में बेचा टमाटर, 65 में गोभी, शहर में 100 रुपए किलो भाव

ललित राठोड़ ▶▶ रायपुर

- किसानों के बीच बिचौलिए इसलिए सब्जियां मार रही शतक
- करेला के दाम दोगुने, मूली और बरबटी भी कई गुना कीमत पर बेची जा रहीं

हरिभूमि की टीम सुबह 4 बजे शास्त्री बाजार में थोक सब्जी मंडी पहुंची। यहां तीन बजे ही सब्जियों की गाड़ी, धमधा, महासमुंद, आरंग और धरसीवा के साथ अन्य जिलों से पहुंचने लगी थीं। 4 बजे के बाद विभिन्न सब्जियों की बोली लगनी शुरू हुई। स्थानीय किसानों का देसी टमाटर 50 रुपए किलो से शुरू होकर 60 तक रुका, जो दिनभर बाजारों में 100 रुपए किलो में बिका।

65 किलो में लगी गोभी की बोली

सब्जियों के दाम महंगे होने से इसका सीधा लाभ किसानों को नहीं हो रहा है। किसानों ने हरिभूमि को बताया कि टमाटर, गोभी, करेला और अन्य सब्जी सस्ती है। बिचौलिए भी किसानों की सब्जी कम कीमत में खरीदकर नीलामी में अधिक दाम में बेच रहे हैं। थोक मंडी और बाजार में सब्जियों के दाम में 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक अंतर है। किसानों ने बताया कि 100 में मिलने वाली गोभी 70 किलो में बेचा है। शास्त्री बाजार में मंडियों में कुछ हरी सब्जियों की नीलामी में बोली 50 से शुरू होकर 100 रुपए तक पहुंची। थोक व्यापारियों का कहना है कि सब्जियों के दाम कम होने में महीनेभर का समय लग सकता है। स्थानीय किसानों की नई फसल बाजार में आने के बाद ही लोगों को राहत मिलेगी। ▶▶शेष पेज 2 पर

हरिभूमि लाइव

डंगनिया, कुशालपुर और राजेंद्र नगर के चिल्हर में सब्जियों के दाम

	टमाटर		गोभी		करेला		धनिया		भिंडी		बरबट्टी		बैंगन	
	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर	थोक	चिल्हर
	60	80-90	65	100	25-30	70	150	170	20-40	60-70	35	50	40	70

समय - तड़के 4 बजे, शास्त्री बाजार

60 में खुला टमाटर का भाव

सुबह 3 बजे से शास्त्री बाजार में स्थानीय किसानों के साथ दूसरे जिलों से भी सब्जियों की गाड़ियों का आना शुरू हो चुका था। जैसे ही 4 बजे सब्जियों की नीलामी शुरू हुई। सबसे पहले 60 रुपए किलो के साथ टमाटर का भाव खुला। इसी तरह गोभी की नीलामी में दाम 50 से शुरू हुए, जो देखते ही देखते 65 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए। करेला 25 रुपए किलो पर खत्म हुआ। इसी तरह बरबट्टी 20 रुपए किलो से शुरू होकर 35 रुपए किलो तक पहुंची। छोटी भिंडी 20 रुपए किलो और भाटा 37 जाकर रुका।

समय- सुबह 5.30 बजे, डूमरतराई

थोक सब्जियों में दिखा 10 से 20 रुपए का अंतर

डूमरतराई सब्जी मार्केट में सुबह 5 बजे से 8 बजे तक सब्जियों की नीलामी का सिलसिला चलता रहा। यहां टमाटर शास्त्री बाजार की तुलना में 10 रुपए महंगे मिले। व्यापारी ने बताया कि टमाटर का भाव 70 रुपए किलो के साथ शुरू हुआ। भिंडी 30 रुपए तक थोक में रही। इसी तरह धनिया भी 100 से शुरू होकर 150 किलो तक पहुंचा। थोक में ही ये सब्जियां 100 का आंकड़ा पार कर गईं, इसलिए चिल्हर बाजार में भी इसके दाम सर्वाधिक रहे।

थोक में भी महंगी हैं सब्जियां

थोक सब्जी बाजार में सभी हरी सब्जियों के दाम कुछ दिनों से बढ़े हुए हैं। एक से दो सप्ताह के बाद दाम कम होंगे। स्थानीय किसानों का उत्पादन अभी तक है। इस वजह से गोभी, टमाटर और अन्य सब्जियों के दाम अधिक हैं। - **श्रीनिवास रेड्डी,** अध्यक्ष, थोक सब्जी मंडी

टैंक के लिए खोदा जा रहा था गड्ढा

फैक्ट्री की मिट्टी धंसी नौ मजदूरों की मौत

एजेंसी ▶▶ मेहसाणा

गुजरात के मेहसाणा जिले के कडी कस्बे के पास शनिवार को स्टेनलेस स्टील फैक्टरी के निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से दो महिलाओं समेत नौ मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। कडी थाने के निरीक्षक प्रह्लाद सिंह वाघेला ने बताया कि घटना जसलपुर गांव में हुई, जहां मजदूरों ने एक टैंक के लिए 16 फुट गहरा गड्ढा खोदा था। वाघेला ने बताया, दमकल विभाग, पुलिस और मजदूरों की टीम ने करीब दो घंटे तक बचाव अभियान चलाया। मिट्टी के ढेर से नौ शव निकाले गए, जबकि एक व्यक्ति को जिंदा निकाला गया। मृतकों में से ज्यादातर दाहोद के थे, जबकि तीन राजस्थान के थे। उनकी उम्र 20-30 साल है। अधिकारी ने बताया कि वे 'स्टीलीनॉक्स स्टेनलेस प्राइवेट लिमिटेड' की साइट पर निर्माण कार्य में लगे हुए थे।

एक को जिंदा निकाला

स्टील आईनॉक्स स्टेनलेस प्राइवेट लिमिटेड में जब मजदूर टैंक खोद रहे थे, तब अचानक मिट्टी गिरी। हादसे के बाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाई गई। इस दौरान 19 साल के लड़के को जिंदा बचा लिया गया।

पीएम ने 2-2 लाख, सीएम ने 4-4 लाख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया गया है।

निजी कंपनी के थे मजदूर

मेहसाणा जिले के एसपी डॉ. तरूण दुग्गल ने बताया कि कादी के गांव में नई कंपनी का निर्माण कार्य चल रहा था, तभी हादसा हुआ। मजदूर किसी निजी कंपनी के बताए गए हैं। प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हादसे की जांच की जा रही है। मेहसाणा की जिला विकास अधिकारी डॉ. हसरत जैस्मिन ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12.45 बजे हुआ। हमारी जानकारी के अनुसार वहां 9-10 लोग फंसे हुए थे। 19 साल के एक लड़के को जिंदा बचा लिया गया है। उसके बयान के मुताबिक 10 लोग यहां काम कर रहे थे। इनमें दो महिलाएं थीं।

भारत में हो रही बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने की कोशिश: भागवत

एजेंसी ▶▶ नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत अधिक सशक्त हुआ है। विश्व में उसकी साख भी बढ़ी है, लेकिन मायावी षडयंत्र देश के संकल्प की परीक्षा ले रहे हैं। भागवत ने बांग्लादेश की स्थिति के संदर्भ में कहा कि बांग्लादेश में यह बात फैलाई जा रही है कि भारत एक खतरा है और उन्हें बचाव के लिए ▶▶शेष पेज 2 पर

संघ प्रमुख ने की शस्त्र पूजा

शोभायात्रा में पथराव पर जताई चिंता

संघ प्रमुख ने हाल में गणेशोत्सव के दौरान गणपति विजर्सन की शोभायात्राओं पर 'बिना उकसावे के किए गए पथराव' पर भी चिंता जताई। समाज के किसी एक खास वर्ग पर हमला करने, अकारण हिंसा पर उतारू होने और भय पैदा करने की कोशिश जैसे कृत्यों की निंदा की। समाज में भी सदैव पूर्ण सतर्क रहने की जरूरत है।

विकृत प्रचार और कुसंस्कार

भागवत ने संस्कारों के क्षरण पर चिंता जताते हुए कहा कि विभिन्न तंत्रों तथा संस्थानों के द्वारा कराए गए विकृत प्रचार व कुसंस्कार भारत में, विशेषतः नयी पीढ़ी के मन-वचन-कर्मों को बहुत बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़ों के साथ बच्चों के हाथों में भी मोबाइल फोन पहुंच गया है, वहां क्या दिखा रहे हैं और बच्चे क्या देख रहे हैं, इस पर नियंत्रण नहीं के बराबर है।

जैकेट के शेष

असत्य पर सत्य और ....

करने का संकल्प लेना होगा। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर भगवान श्रीराम के जयकारे के बीच रिमोट का बटन दबाकर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के विशालकाय पुतले का दहन किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को विजयादशमी पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बीते 53 वर्षों से डब्ल्यूआरएस कालोनी में रावण वध का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। इस साल का यह कार्यक्रम हम सब लोगों के लिए विशेष है क्योंकि 500 सालों के बाद छत्तीसगढ़ के भांचा भगवान श्रीराम जो भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए है। यह हम सबके लिए गौरव और प्रसन्नता की बात है। कार्यक्रम को रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा, जयंती भाई पटेल, तोशेन्द्र देव साय, आयोजन समिति के प्रमुख जी.स्वामी, कलेक्टर श्री गौरव कुमार सिंह, एसएसपी संतोष सिंह, आयोजन समिति प्रमुख के पदाधिकारीगण सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

भगवान राम-रावण की युद्ध गाथा का मंचन : रावण वध का कार्यक्रम पारंपरिक ढंग आयोजित हुआ। इस मौके पर भगवान राम और रावण की युद्ध गाथा का मंचन हुआ। अंत में रावण के विशालकाय पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर आतिशबाजी और उत्सव का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने रावण दहन के बाद हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई दी।

मेघावी छात्रों को 449 ....

सर्टिफिकेट तहसीलदार जारी कर देता है। उसके आधार पर प्रवेश ले लिया जाता है। आरोप है कि थोक में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाए गए हैं। उसके आधार सीट अलॉट कर दी गई है।

एनआरआई कोटा विवादों ....

कर दिया गया था। वर्तमान में निजी मेडिकल कालेजों में कोटा है जिसमें एडमिशन के नाम पर धांधली हो जाती है। इस पर रोक लगाना आवश्यक है।

पुजारी बोले- संशय में ....

पुष्य नक्षत्र का शुभ मुहूर्त है। विभिन्न पंचांग में दीपावली पर्व की तिथियां अलग अलग होने के कारण लोगों में भ्रम की स्थिति निर्मित हो गयी है। 31 अक्टूबर को शाम चार बजे से अमावस्या शुरू हो जाएगी जो 1 नवंबर को शाम छह बजे खत्म होगी। यहीं कारण है कि कुछ पंचांग जहां 31 अक्टूबर को दीपावली होने की जानकारी दे रहे है वहीं कुछ ज्योतिषाचार्यों का मत है कि हिंदू रीति रिवाज सूर्योदय से ही तय किए जाते है। ऐसी स्थिति में एक नवंबर को यह पर्व मनाया जाना चाहिए। हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध देवी मंदिरों के पुजारियो के जरिए दीपोत्सव की तिथियों में निर्मित हुई भ्रम की स्थिति को दूर करने की कोशिश की है।

मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ और महामाया मंदिर बिलासपुर के पंडितो का कहना है कि 31 अक्टूबर को शाम चार बजे अमावस्या शुरू हो जाएगी। लक्ष्मी पूजन का मुहूर्त गोधूलि बेला से शुरू होकर देर रात्रि तक रहता है। ऐसी स्थिति में 31 अक्टूबर को ही लक्ष्मी पूजन के लिए शाम और रात मिल रही है। एक नवंबर को शाम चार बजे अमावस्या खत्म होते ही प्रतिपदा लग जाएगी। प्रतिपदा में लक्ष्मी का पूजन नहीं किया जाता। पंडितों का कहना है कि 31 अक्टूबर को ही दीपावली का पर्व मनाया जाएगा।

रामलीला के दौरान ...

कैदियों द्वारा किया जाता है। इसमें प्रदर्शन और मंच प्रबंधन भी शामिल है। हालांकि, शुक्रवार को रामलीला के दौरान, पंकज और राजकुमार, जो सीता की खोज कर रहे वानर सेना के सदस्यों में से थे। प्रदर्शन का इस्तेमाल कर जेल से बाहर निकल गए।

मां महामाया के ....

बनाने में दो महीने लग गए हैं। मंदिर ट्रस्ट ने मुकुट को बनवाने के लिए ही कारीगरों को आठ लाख रुपए का भुगतान किया है। दो किलो सोने से माता के लिए दो कुंडल और एक छत्र बनाए गए हैं, जो माता की प्रतिमा के ऊपर और माथे में मुकुट के रूप में है। इस सोने सें माता के लिए तीन सोने के आभूषण बनाए गए हैं। इन आभूषणों में माता का रूप श्रध्दालुओं को आकर्षित कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में बनेगी ....

जमीन भी चिन्हित कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसमें रूचि दिखाई है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद फिल्म सिटी का प्रस्ताव तैयार किया गया है। केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद फिल्म सिटी पर काम शुरू कर दिया जाएगा। केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार होने की वजह से इसकी स्वीकृत जल्द होने की उम्मीद है। फिल्म सिटी नवा रायपुर में 150 से 200 एकड़ जमीन पर बनाने की तैयारी है। जिन राज्यों में फिल्म सिटी पर काम किया गया है वहां का अध्ययन भी संस्कृति विभाग के अफसरों के द्वारा किया गया है, उसके आधार पर इसे तैयार किया जाएगा।

हरियाणा के सीएम को हत्या की धमकी, एक गिरफ्तार

जींद। हरियाणा के जींद जिले में जुलाना में एक व्हाट्सएप ग्रुप पर हरियाणा के मुख्यमंत्री को कथित तौर पर 'जान से मारने की धमकी' देने के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान जींद जिले के देवरार निवासी अजमेर के रूप में हुई है। जींद के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने बताया कि अजमेर ने 8 अक्टूबर को राज्य में मतगणना के दिन एक व्हाट्सएप ग्रुप पर जान से मारने की धमकी दी थी।

पेज एक के शेष

बे-बस यात्री, तय...

की पड़ताल की, तो पता चला, परिवहन विभाग के आदेश और निर्देश का पालन बस संचालकों द्वारा नहीं किया जा रहा है। आरटीओ के अनुसार रायपुर से बिलासपुर की दूरी 117 है, जिसका किराया यात्रियों से 225 रुपए लेना है, लेकिन ऑनलाइन बिना जीएसटी के 284 में सामान्य नॉन एसी का टिकट यात्रियों को बसस्टैंड में बेचा जा रहा है। मिनी बस में भी यह किराया 260 रुपए है। इस तरह रायपुर से जगदलपुर 303 दूरी के अनुसार आरटीओ ने 493 रुपए निर्धारित किया है, लेकिन बसस्टैंड में 550 से 600 में यात्रियों को टिकट बेचा जा रहा है। ऑनलाइन में भी बिना जीएसटी के यह टिकट 550 में बेचा जा रहा है। सूची के अनुसार बसस्टैंड और ऑनलाइन बुकिंग में टिकट के किराए में 100 तक अंतर है।

त्योहारी सीजन में बस संचालकों ने बढ़ा दिया किराया : बिलासपुर परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों का किराया प्रति किलोमीटर के हिसाब से निर्धारित किया गया है। डीजल पेट्रोल और व अन्य सामग्री के महंगे होने पर निजी बस ऑपरेटर की मांग पर शासन द्वारा यह किराया निर्धारित किया गया है, इसके बावजूद बस संचालक यात्रियों से और अधिक किराया वसूल रहे हैं। शनिवार को बस स्टैण्ड में कटघोरा से बिलासपुर लौटी यात्री महिला खोब बाई ने बताया कि पहले 100 रुपए किराया लिया जाता रहा है, लेकिन दशहरा के कारण बस चालक ने 130 रुपए लिया है। इसके साथ ही सतीश नामदेव ने कहा कि वे अंबिकापुर से यहां लौटे हैं, अंबिकापुर से बिलासपुर का किराया 350 रुपए वसूला जा रहा है, जबकि परिवहन विभाग के चार्ट के अनुसार महज 275 रुपए का टिकट चालक को कटाना था, उन्होंने कहा कि वे अक्सर बसों से सफर करते हैं, लेकिन इस दौरान यात्रियों से जबरन वसूली की जाती है। बस संचालकों की मनमानी के कारण यात्रियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जगदलपुर से रायपुर का 495 तय, वसूल रहे 550 रुपए किराया : अंतरराज्यीय बस स्टैंड एवं बसों में किराया सूची नहीं होने के चलते रोज यात्रियों के साथ कंडक्टर, बस के एजेंट विवाद कर रहे हैं। शनिवार को हरिभूमि की टीम अंतरराज्यीय बस स्टैंड पहुंची और यात्रियों से बातचीत की। इस दौरान यात्रियों ने बताया कि दिन में जगदलपुर से रायपुर के लिए बस कंडेक्टर एवं बुकिंग के कर्मचारी डीलक्स सर्विस सीट नॉन एसी में 495 रुपए की बजाय 550 रूपए ले रहे है। साथ ही रात में 531 की बजाय 900 से 1100 रुपए तक किराया लेते हैं। यात्रियों को बिना टिकट के ही किराया की राशि ले रहे हैं, जिससे सफर के दौरान यात्री एवं कंडेक्टर के साथ विवाद भी हो रहा है। विरोध करने वालों को रास्ते में ही उतारने की शिकायत बढ़ गई हैं।

बसों पर की कार्रवाई

यात्री ने यह भी बताया कि रात को कंडेक्टर के साथ विवाद होने पर इसकी सूचना परिवहन विभाग के उड़नदस्ता प्रभारी को दी। इस पर उड़नदस्ता प्रभारी एवं निरीक्षक अनुपम पटेल की टीम ने रायपुर जाने वाले मनीष एवं महिन्द्रा बस को आसना के पास रोका और यात्रियों और कंडक्टर से पूछताछ किया। ज्यादा किराया लेने पर बस के खिलाफ कार्रवाई की।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी...

परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों का किराया प्रति किलोमीटर के हिसाब से निर्धारित किया गया है। डीजल पेट्रोल और व अन्य सामग्रियों के महंगे होने पर निजी बस ऑपरेटर की मांग पर शासन द्वारा यह किराया निर्धारित किया गया है, इसके बावजूद बस संचालक यात्रियों से और अधिक किराया वसूल रहे हैं। शनिवार को बस स्टैण्ड में कटघोरा से बिलासपुर लौटी यात्री महिला खोब बाई ने बताया कि पहले 100 रूपए किराया लिया जाता रहा है, लेकिन दशहरा के कारण बस चालक ने 130 रूपए लिया है। इसके साथ ही सतीश नामदेव ने कहा कि वे अंबिकापुर से यहां लौटे हैं, अंबिकापुर से बिलासपुर का किराया 350 रूपए वसूला जा रहा है, जबकि परिवहन विभाग के चार्ट के अनुसार महज 275 रूपए का टिकट चालक को कटाना था, उन्होंने कहा कि वे अक्सर बसों से सफर करते हैं, लेकिन इस दौरान यात्रियों से जबरिया वसूली की जाती है।

अनफिट बसें भी चल रहीं : कई बसें झूलते हुए चलती दिखाई देती हैं। इनका फिटनेस टेस्ट होता नहीं है या फिर परिवहन अधिकारियों की मिलीभगत से बस संचालक फिटनेस टेस्ट करा लेते हैं। दोनों ही स्थिति में यात्रियों की जान जोखिम में होती है।

इन्हें दी जानी है छुट : 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, दिव्यांगों और एड्स पीड़ित व्यक्तियों के लिए बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा संचालकों के द्वारा दी जानी है। इसके लिए किराया सूची भी बस में लगाई जानी है, लेकिन बस संचालक इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। नियम का पालन नहीं करने की शिकायत आरटीओ को मिलती रहती है, हाल ही में आरटीओ ने बससंचालकों की बैठक में साफ तौर नियम का पालन करने की बात कही थी।

बसों से गायब है...

दुर्ग सहित सभी दिशाओं के लिए बस यहां से रवाना होती है। लेकिन किसी भी बस में इन क्षेत्रों में जाने किराया सूची चस्पा नहीं है। इस वजह से यात्रियों को पता नहीं चलता है कि वे जिस गंतव्य के लिए निकले हैं वहां का किराया कितना है। यात्रियों के बस में बैठने के बाद कुछ दूर जाने पर ही किराया लिया जाता है। राजनांदगांव से 55 किलोमीटर बालोद का किराया 75 रुपए, 50 किलोमीटर की दूरी में अंबागढ़ चौकी का किराया 70 रुपये, लगभग 30 किलोमीटर में दुर्ग का 40 रुपये, 40 किलोमीटर दूर डोंगरगढ़ का किराया 50 रुपये और जालबांधा का किराया 65 रुपये लिया जा रहा है।

यात्री बसों में टंगी...

रायपुर का किराया 100 रुपए लिया जाता है। उन्होंने बताया कि साधारण बस में कुरूद का भाड़ा 35 रुपए होना चाहिए, लेकिन 5 रुपए अधिक लिया जा रहा है। धमतरी से नगरी मार्ग के लिए साधारण बस सेवा चलती है। इस मार्ग में शाम 5 बजे के बाद बस सेवा नहीं मिलती। इस मार्ग में यात्रा करने वाले किशोर ध्रुव ने बताया कि धमतरी से कुकरेल 12 किमी दूरी का किराया 18 रुपए, 28 किमी दूर केरेगांव 37 रुपए, 47 किमी दूर दुगली 60 रुपए तथा 65 किमी दूर नगरी का किराया 83 रुपए निर्धारित है। उन्होंने बताया कि बस कंडक्टर चिल्हर का हवाला देकर 2 से 3 रुपए अधिक किराया ले लेता है लेकिन इस रूट की आखिरी बस में अधिक किराया वसूला जाता है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी नगरी का 100 रुपए किराया वसूला जाता है।

किसानों ने 55 रुपए...

स्थानीय किसानों के पास सस्ती सब्जियां नवरात्रि में शहर में कई जगह भंडारा आयोजन होने से शनिवार की सुबह 4 बजे से ही बड़ी संख्या में लोग किसानों की सब्जी खरीदने पहुंचे। इस दौरान नीलामी में सब्जियों की बोली लगाई। शहर में शाम तक टमाटर 80 से 90 रुपए किलो पहुंच चुका था, लेकिन सुबह 5 बजे शास्त्री बाजार में स्थानीय किसानों के पास 60 रुपए किलो तक उपलब्ध रहा। इसी तरह बाजार में गोभी 100 रुपए किलो लोगों ने खरीदी, जो मंडी में किसानों ने 65 में बेचा। डूमरतराई में करेला 70 रुपए में चिल्हर में बिका, जो किसानों ने नीलामी में 25 से 30 किलो में बेचा।

नवंबर में कम होंगे सब्जियों के दाम : अक्टूबर महीने में हरी सब्जियों के दामों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। नंवबर के पहले पखवाड़े के बाद नई फसल आने से टमाटर, करेला समेत गोभी व भाजियों की कीमत कम होगी। थोक सब्जी व्यापारियों का कहना है कि स्थानीय किसानों का उत्पादन गुजरात और ओडिशा जा रहा है। इस वजह से चिल्हर के साथ-साथ थोक में भी सब्जियों को अच्छे दाम मिल रहे है। पहले केवल चिल्हर में सब्जियां 100 के पार पहुंचती थीं, लेकिन थोक में भी टमाटर, गोभी, धनिया और मिर्च के दाम 100 रुपए किलो तक हैं।

भारत में हो रही...

पाकिस्तान से हाथ मिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र की दृढ़ता धर्म की विजय के लिए शक्ति का आधार बनती है, चाहे स्थिति अनुकूल हो या नहीं। वह नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक विजया दशमी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हर किसी को लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत अधिक सशक्त हुआ है तथा विश्व में उसकी साख भी बढ़ी है। कोई भी देश लोगों के राष्ट्रीय चरित्र से महान बनता है। संघ के शताब्दी वर्ष में कदम रखने के कारण यह साल महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कंपनी)

क्रमांक/053-5200/सामा./2617 सरायपाली, दिनांक 11/10/2024

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दीपावली पूर्व रखरखाव एवं सुधार कार्य के लिए 132/33 के.व्ही उप केन्द्र सरायपाली / बसना / सांकरा से निकलने वाले 33 के. व्ही. फीडरों की विद्युत आपूर्ति प्रातः 09 बजे से शाम 04 बजे तक निम्नानुसार बंद रखा जावेगा।

क्र.	विद्युत आपूर्ति बंद रहने का दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	14.10.2024 (सोमवार)	33 के.व्ही. घंटेश्वरी, सलखण्ड एवं पिरदा	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र घंटेश्वरी, केन्दुमुडी, बडेसाजापाली,गौरटेक, भँवरपुर, पिरदा, लिमदरहा एवं कनकेवा से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम ।
2	15.10.2024 (मंगलवार)	33 के.व्ही. सरायपाली (श.) एवं गनेकेरा	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र सरायपाली, गनेकरा एवं आरंगी से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम एवं उच्चदाब उपभोक्ता भारती हास्पिटल ।
3	16.10.2024 (बुधवार)	33 के.व्ही. बलौदा एवं भुकेल	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र बलौदा, अर्जुडा, तोरेसिंघा, भुकेल एवं मनकी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम एवं 03 नं. उच्चदाब उपभोक्ता ।
4	17.10.2024 (गुरूवार)	33 के.व्ही. कोसमपाली, लिमदरहा एवं भँवरपुर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र कोसमपाली. नवरंगपुर. जगदीशपुर, राजपुर एवं सागरपाली से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम ।
5	18.10.2024 (शुक्रवार)	33 के. व्ही. मल्दामाल. पिरदा एवं बसना (श.)	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र सिंघोडा, कस्तुराबहाल लिमदरहा, बसना एवं बसना (आईपीडीएस) से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम ।
6	19.10.2024 (शनिवार)	33 के.व्ही. गनेकेरा एवं कुडेकेल	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र आरंगी, कुडेकेल एवं छांदनपुर से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम ।
7	21.10.2024 (सोमवार)	33 के.व्ही. गढ़फुलझर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गढ़फुलझर से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के समस्त विद्युतीकृत ग्राम उच्चदाब उपभोक्ता।

"असुविधा के लिए खेद है"

टीप :- 1. आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है ।
2. असुविधा से बचने के लिए बिल का भुगतान समय पर करें ।

कार्यपालन अभियंता
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि. सरायपाली

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड
(छ.रा.विद्युत मण्डल की एक उत्तरदायी कम्पनी)

क्र.का.यं./का./सा./प्रकाशन / 3384 कांकेर दिनांक 11-10-2024

बिजली बंद होने की सूचना

सभी सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, उपसंभाग चारामा में दीपावली पूर्व मरम्मत कार्य किया जाना है। अतएव नीचे दिये गई सारणी के अनुसार, अग्रलिखित दिनांक को समय प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक निर्धारित समयावधि में दर्शाये गये स्थलों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगा ।

क्र.	दिनांक	फिडर का नाम	प्रभावित गांव
1	14.10.2024	11 के.व्ही. साहवाड़ा	उड़कुड़ा, तेलगरा,
		11 के. व्ही. कसावाही	कसावाही, प्रधानडोगरी, दमकसा
		11 के.व्ही. किशनपुरी	पदमपुर, किशनपुरी
2	15.10.2024	11 के.व्ही. लखनपुरी	लखनपुरी, कानापोड़, खैरखैड़ा
		11 के.व्ही. साल्हेटोला	साल्हेटोला, कुरूटोला, चुचरूंगपुर, ढेड़कोहका
		11 के.व्ही. बड़ेगौरी	बड़ेगौरी, चंदेली, गाड़ागौरी, हिंगझर, गोटीटोला, जामबहार
3	16.10.2024	11 के.व्ही. चिनौरी	भुईगांव, बासनवाही, पलेवा, बाड़ाटोला, भैंसाकट्टा,
		11 के.व्ही. आवरी	आवरी एवं उंकारी
		11 के.व्ही. चावडी	गिधाली, तिरकादण्ड, चपेली, बरकछार, रतेडीड, कहाडगोदी
4	17.10.24	11 के.व्ही. साहवाड़ा	तारसगांव, बोदेली
		11 के.व्ही. डोकला	डोकला, भर्रीटोला, और मुड़खुसरा
		11 के.व्ही. बड़ेगौरी	बागडोंगरी,
5	18.10.24	11 के.व्ही. चिनौरी	चिनौरी और झिपाटोला
		11 के.व्ही. परसौदा	परसौदा, कांटागांव और जंवरतरा
		11 के.व्ही. नरहरपुर	रतेसरा, गोलकुम्हड़ा, बाबूकोहका,.
6	21.10.24	11 के.व्ही. अरौद	कोटेला, कुरुभाट, रानीडोंगरी, टिकरापारा
		11 के.व्ही. सिरसिदा	जैसाकर्रा, बारगरी, दरगहन, सिरसिदा, चारभाटा, गिरहोला
		11 के.व्ही. कोटतरा	कोटतरा, लिलेझर, ललित राइसमील, शारदा राइसमील

नोट :- आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालन यंत्री
(संचा/संधा)
छ.ग. स्टेट पॉ.डि.क.लि. कांकेर

राशिफल

मेष जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। माता-पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे।

वृष तरक्की के योग बन रहे हैं। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। सचेत रहें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। वाणी में मधुरता रहेगी। धार्मिक कार्यों में खर्च बढ़ेंगे।

सिंह जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मौके मिलेंगे।

कन्या आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

तुला धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। उच्चाधिकारियों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संयम बनाकर रखें।

वृश्चिक क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। घर की सुख-सुविधाओं के विस्तार पर खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है।

मकर परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

कुंभ शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। कारोबार का विस्तार हो सकता है। किसी संपत्ति में निवेश कर सकते हैं।

मीन परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

नर्मदापुरम में मछली पकड़ते समय दो डूबे

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में नदी में मछली पकड़ते समय दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। माखननगर थाने के उपनिरीक्षक डीएल ठोके ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने शनिवार को जिला मुख्यालय से करीब 10 से 15 किलोमीटर दूर बांद्राभान तवा सांगाखेड़ा पुल के पास इकराम अली और इरशान कुरैशी के शव निकाले। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम को दोनों नर्मदा की सहायक नदी तवा नदी में मछली पकड़ने गए थे, और जब वे घर नहीं लौटे तो उनके परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। इससे पहले उनलोगों ने दोनों से उनके मोबाइल फोन पर भी संपर्क करने की कोशिश की ।

छत्तीसगढ़ स्टे.पॉ.डि.कं.लि. राजनांदगांव

क्र. 013/ 11-00/ सामान्य /5160 राज,दिनांक 10.10.2024

-:: आवश्यक सूचना ::-

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दीपावली पूर्व विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के आवश्यक सुधार कार्य हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रातः 9.00 बजे से दोपहरः 02.00 बजें तक निम्न तालिका अनुसार दर्शाई गई तिथियों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगी :

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	14.10.2024	सोमवार	33 के.व्ही.दुर्ग-1	132 के.व्ही. राजनांदगांव से सोमनी, सांकरा
2	15.10.2024	मंगलवार	33 के.व्ही.दुर्ग-1	परमालकसा, तोरनकट्टा रायपती, मोगा ए.बी. स्वीच टेड़ेसरा तक
3	16.10.2024	बुधवार	33 के.व्ही. दुर्ग आउटर	सोमनी सबस्टेशन से ईरा W/W टेड़ेसरा सबस्टेशन तक
4	17.10.2024	गुरूवार	33 के.व्ही.दुर्ग-2	132 के.व्ही. राजनांदगांव से सोमनी सबस्टेशन तक
5	18.10.2024	शुक्रवार	33 के.व्ही. सांई केमिकल	एम.के. ए.बी. स्विच से देवादा, अंजोरा बाईपास, अंजोरा निक्को कंपनी तक
6	19.10.2024	शनिवार	33 के.व्ही. सांई केमिकल	132 के.व्ही. राजनांदगांव से टेड़ेसरा एम.के. ए.बी. स्विच तक
7	21.10.2024	सोमवार	33 के.व्ही. टेड़ेसरा	132 के.व्ही. जोरातराई से टेड़ेसरा फोर पोल ए.बी. स्विच तक
8	22.10.2024	मंगलवार	33 के.व्ही. इंड. फीडर	132 के.व्ही. राजनांदगांव राजाराम इंडस्ट्रियल फीडर से संस्कार सिटी ठाकुरटोला तक

टीप :- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई / बढ़ाई जा सकती है।

"असुविधा के लिए खेद है।"
"स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत कीजिए"

(आर.के.गोस्वामी)
कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि.राजनांदगांव

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) संभाग
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड गरियाबंद
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की एक उत्तरवर्ती कंपनी) (छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)

क्र./053-5400/सामा./विज्ञापन/प्रकाशन/3267 गरियाबंद दिनांक 09 OCT 2024

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33 के.व्ही. लाईन एवं उपकेन्द्रों तथा 11 के.व्ही. लाईनों में दीपावली पूर्व रख-रखाव एवं सुधार कार्य हेतु नीचे दिये गये तिथियों में प्रातः 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

क्र.	दिनांक	उपकेन्द्र 33/11 के.व्ही.	प्रभावित क्षेत्र का नाम
01	14.10.2024 सोमवार	33 के.व्ही. कोचवाय फीडर एवं 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र कोचवाय 11 के.व्ही. हरदी फीडर एवं परसूली फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोचवाय, बारुला एवं पिपरछेड़ी से संचालित समस्त ग्राम
		33 के.व्ही. देवभोग फीडर सढ़ौली से बिन्द्रानवागढ 33 केव्ही देवभोग से धुवागुड़ी	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बिन्द्रानवागढ़, कोसमी, धवलपुर, 3.15 सीकासेर, अमलीपदर, देवभोग. गोहरापदर माडागांव के समस्त ग्राम
02	15.10.2024 मंगलवार	33 के.व्ही. न्यू गरियाबंद फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पंटोरा से संचालित समस्त ग्राम
		33 के.व्ही. लाईन सढ़ौली से छुरा	निरंक
03	16.10.2024 बुधवार	11 के.व्ही. केषोडार फीडर	डोंगरीगांव, कोविड हॉस्पिटल, कोड़ोहरदी, भैसामुड़ा, गुजरा
04	17.10.2024 गुरुवार	33/11 के.व्ही. बारुला उपकेन्द्र 11 के.व्ही बारुला, मदनपुर एवं फुलकर्रा फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बारुला से संचालित समस्त ग्राम
		33 के.व्ही.लाईन छुरा से रसेला	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र रसेला से संचालित समस्त ग्राम
		33 के.व्ही.लाईन धवलपुर से मैनपुर 33 के.व्ही. लाईन इंदागांव से जुगाड़	जुगाड़ थाना
05	18.10.2024 शुकवार	33 के.व्ही.लाईन छुरा से कोसमी	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोसमी से संचालित समस्त ग्राम
		33 के.व्ही. लाईन मोहंदी से पोड़	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पोड़ / सांकरा से संचालित समस्त ग्राम
06	19.10.2024 शनिवार	33/11 के.व्ही. गरियाबंद उपकेन्द्र 11 के.व्ही. गरियाबंद टाउन-I एवं II, पैरी नगर फीडर	गरियाबंद, मजरकट्टा, जिला चिकित्सालय, जेल लाईन, आमदी, पारागांव रोड, नया तालाब

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
असुविधा के लिये खेद है।

"बिजली की बचत करें"
"स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाएं"

कार्यपालन अभियंता
(संचा/ संधा) संभाग
छ.ग.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि., गरियाबंद

युवक की हत्या कर पहचान छिपाने जला दिया चेहरा

बिलासपुर। मल्हार क्षेत्र में एक युवक की जली हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गई। हाथ में बने फूल से मृतक की पहचान कर ली गई। मृतक दुकान बंद करने के बाद घर गया था और घर से निकलने के बाद लापता हो गया था। पुलिस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है। एडीशनल एसपी अर्चना झा ने बताया, मल्हार क्षेत्र के बकरकुदा पुल के पास गांव के लोगों ने एक युवक की लाश देखी, उसका चेहरा जला हुआ था। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। चेहरा जल से जाने से मृतक की पहचान नहीं हो पा रही थी। भारी मशक्कत के बाद मृतक के हाथ में बने फूल से उसकी पहचान नेवारी करियाताल निवासी युवराज सिंह उर्फ बंटी 20 साल के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए और उसकी पहचान कर दी। परिजन ने पुलिस को बताया, मृतक गांव में पान दुकान चलाता था। शुक्रवार की रात 9 बजे वह दुकान बंद कर घर गया था। उसके बाद मोबाइल व बाइक घर में छोड़कर बाहर घूमने निकल गया था। देर रात तक उसके नहीं लौटने पर परिजन में गांव में तलाश की। पता नहीं चलने पर घर लौट गए थे।

सूडोकु नवताल - 5672

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGA..ORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5671 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

तरकश

संजय के. दीक्षित

रतन टाटा ने लगाया वीटो

छत्तीसगढ़ में बहुत कम लोगों को पता होगा कि फोन करते मिनटों में पहुंच जाने वाली डॉयल 112 सर्विस को टाटा कंपनी संचालित कर रही है। इसी साल सितंबर में इस कंपनी का टेंडर खतम हो गया था। चूकि टाटा कंपनी इस सर्विस का काम समेट रही है, इसलिए अब किसी भी राज्य में टेंडर नहीं भर रही। लिहाजा, छत्तीसगढ़ के नए टेंडर में भी शामिल नहीं हुई। मगर पुलिस महकमे ने जिस कंपनी को डॉयल 112 के लिए चुना, वह विवाद में आ गई। उसने अनुभव की गलत जानकारी भरकर टेंडर ले लिया। यह जानकर पीएचक्यू के हाथ-पैर फुल गए। नया टेंडर विवादों में फंस गया और टाटा कंपनी का टेंडर समाप्त होने जा रहा था। ये अगस्त लास्ट की बात होगी। अफसरों के पास अब टाईम भी नहीं था। क्योंकि, हफ्ते भर बाद टाटा कंपनी बोरिया-बिस्तर बांध वापिस लौटने वाली थी। बात गृह मंत्री विजय शर्मा तक पहुंची। वे भी हड़बड़ाए। उनकी ग्रह-दशा वैसे भी ठीक नहीं चल रही। उपर से डॉयल 112 बंद होता तो भूपेश बघेल का ट्वीट शुरू हो जाता। ऐसे में, एक सीनियर आईएएस संकटमोचक बनकर सामने आए। उन्होंने मुंबई में अपने एक बैचमेट के जरिये टाटा के टॉप प्रबंधन से संपर्क साधा। कंपनी के सीनियर अधिकारियों ने यह कहते हुए हाथ खड़ा कर दिया कि रतन टाटा से इसके लिए बात करनी होगी। यद्यपि, सर्विस एक्सटेंशन का मुद्दा इतना बड़ा नहीं था कि रतन टाटा से परमिशन लिया जाए। मगर कंपनी ने डॉयल 112 को बंद करने का फैसला बोर्ड की मीटिंग में लिया था इसलिए रतन टाटा से वीटो लगवाए बिना मामला संभव नहीं था। फाईनली, रतन टाटा तक बात पहुंची तो उन्होंने छत्तीसगढ़ में सर्विस एक्सटेंशन के लिए तुरंत हामी भर दी। इसके बाद कंपनी ने पांच महीने के लिए सेवा मुहैया कराने का आदेश जारी कर दिया। इसके बाद पीएचक्यू के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

आईपीएस में नो APO, आईपीएस में...

आईएएस विनीत नंदनवार की पोस्टिंग के बाद आईएएस में अब कोई अवेटिंग पोस्टिंग आर्डर वाला नहीं बचा है। विनीत को सरकार ने डायरेक्टर लैंड रिकार्ड बनाया है। आईपीएस में जरूर एपीओ वाले अधिकारियों की संख्या कम नहीं हो पा रही। बद्रीनारायण मीणा के लिए उपर से हरी झंडी मिली तो उन्हें आईजी प्रशासन का काम सौंपा गया है। हालांकि, इसके लिए गृह विभाग से आदेश नहीं निकला है। मगर जिस तरह डीजीपी अशोक जुनेजा ने पारुल माथुर को काम दिया, उसी तरह बद्री मीणा को भी प्रशासन का दायित्व दिया गया है। अलबत्ता, आईपीएस दीपांशु काबरा, डॉ. आनंद छाबड़ा, अजय यादव, प्रशांत अग्रवाल पोस्टिंग के लिए वेट कर रहे हैं। इन चारों अफसरों के पास पिछली सरकार में अहम जिम्मेदारियां रहीं। दीपांशु सीपीआर और ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, छाबड़ा खुफिया चीफ, अजय यादव बिलासपुर आईजी, प्रशांत अग्रवाल रायपुर एसएसपी रहे। इनमें दीपांशु को दूसरी बार एपीओ वाली स्थिति फेस करना पड़ रही है। 2018 में जब सरकार बदली थी तो कांग्रेस सरकार ने एक साल तक पीएचक्यू में बिना काम के बिठाकर रखा। और इस बार सरकार बदली तो फिर सात महीने से बेविभाग हैं।

सबसे सीनियर एसपी की विदाई

राज्य सरकार ने गरियाबंद के एसपी अमित कांबले को हटाकर कांकेर का नया डीआईजी बनाया है। कांकेर में केएल धुरव के रिटायर होने के बाद करीब साल भर से पद खाली था। और जब केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद खतम करने का टारगेट दे दिया है तो ऐसे में कांकेर डीआईजी का पद खाली रखने का कोई औचित्य नहीं था। बता दें, अमित कांबले छत्तीसगढ़ के न केवल सबसे वरिष्ठ पुलिस कप्तान थे बल्कि किसी एक जिले में सबसे अधिक समय तक एसपी रहने का रिकार्ड भी उन्होंने बनाया है। वे रमन सरकार के दौरान गरियाबंद के एसपी रहे। वहीं से वे डेपुटेशन पर सीबीआई गए थे। 2021 में प्रतिनियुक्ति से लौटने पर पिछली सरकार ने उन्हें फिर गरियाबंद का एसपी बनाया। पिछले लगभग तीन साल से वे गरियाबंद पोस्टेड थे। पिछले साल डीआईजी प्रमोट होने के बाद भी सरकार ने वहीं कंटीन्यू किया। दिसंबर 2023 में आई नई सरकार ने भी उनकी पोस्टिंग यथावत रखी। गरियाबंद में अमित का दोनों टर्म को मिला दें, तो छत्तीसगढ़ के किसी एक जिले में करीब चार साल तक कोई एसपी नहीं रहा है।

ट्रांसफर की फैक्ट्री नहीं

गरियाबंद एसपी का सिंगल आदेश का आर्डर निकला तो लोग चौंक गए। एक-दूसरे को फोन लगाकर पूछा-ताछी शुरू हो गई...अमित को क्यों हटा दिया गया। दरअसल, ब्यूरोक्रेसी में सिंगल आर्डर को सरकार की नाराजगी से जोड़ा जाता है। मगर बता दें, अमित कांबले के साथ वैसा कुछ नहीं था। डीआईजी रैंक के आईपीएस के लिए गरियाबंद जैसा जिला गरिमा के अनुकूल भी नहीं था। गरियाबंद कलेक्टर, एसपी का पहला जिला होता है। पिछली सरकार ने जरूर संतोष सिंह, पारूल माथुर और अमित कांबले को पोस्ट कर गरियाबंद जिले की रैंकिंग बढ़ा दी थी। विष्णुदेव सरकार ने अब 2019 बैच के निखिल राखेचा को गरियाबंद का एसपी बनाया है। निखिल अमित कांबले से 10 बैच जूनियर हैं। बहरहाल, सरकार अब इसी तरह एक-एक, दो-दो अधिकारियों की लिस्ट निकालेगी। सीएम के रणनीतिकारों का कहना है कि अब लंबी लिस्ट निकाल ट्रांसफर फैक्ट्री नहीं चलने दी जाएगी। याने इसी तरह अब छोटे आदेश निकलते रहेंगे।

फूड में दो सिकरेट्री का मतलब?

राज्य सरकार ने पहली बार खाद्य विभाग ने डबल सिकरेट्री पोस्ट कर दिया है। इससे पहले गृह, पीडब्लूडी, पंचायत, स्वास्थ्य जैसे विभागों में दो सिकरेट्री रहते आए हैं। मगर फूड में दो सिकरेट्री नहीं रहा। एसीएस ऋचा शर्मा के पास पहले से फूड हैं, अब उनके साथ अंबलगन पी. को उसी विभाग में सिकरेट्री बना दिया गया है। दोनों फूड के अनुभवी आईएएस हैं। ऋचा रमन सरकार में न केवल फूड संभाल चुकी है बल्कि बेपटरी हुए इस विभाग को पटरी पर ले आई थी। उधर, अंबलगन पी0 डायरेक्टर फूड रह चुके हैं। फूड में डबल सिकरेट्री का मतलब यह निकाला जा रहा कि इस बार 160 लाख मीट्रिक लाख टन धान की खरीदी होनी है। पिछली सरकार में जमकर डूबकी लगा चुके राईस मिलर्स 45 हजार करोड़ पुराना बकाया का दावा कर रहे हैं। इसको लेकर सरकार पर बड़ा प्रेशर है। जाहिर है, मिलिंग का मामला इस बार आसान नहीं रहने वाला। सो, चाबुक भी चलाना होगा और काम भी कराना है। इसलिए, टीम तो मजबूत चाहिए न।

पोस्टिंग में पूर्वाग्रह नहीं

राज्य सरकार ने पिछले महीने गोपाल वर्मा को कवर्धा का कलेक्टर अपाइंट किया था। और इस हफ्ते टीपी वर्मा को राजस्व बोर्ड का चेयरमैन बनाया। दोनों आपस में सादू भाई हैं और पूर्व मुख्यमंत्री के भांजी दामाद भी। इन दोनों पोस्टिंग पर हालांकि, ब्यूरोक्रेसी में खूब कानाफूसी हुई मगर इससे यह संदेश अवश्य गया कि विष्णुदेव साय सरकार की पोस्टिंग में पूर्वाग्रह नहीं पाल रही। वरना, पहले के दामाद बाबू लोगों को कोतवाली का चक्कर लगाना पड़ गया था। हालांकि, टीपी वर्मा शरीफ अफसर हैं। इतने शरीफ कि अपनी सरकार होने के बाद भी 2022 में ट्रांसपोर्ट सिकरेट्री के पद से खो कर दिए गए थे।

अंत में सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ पीएससी का नया चेयरमैन ब्यूरोक्रेसी से बनाया जा रहा या एकेडमिक फील्ड से?

बंगाल सरकार ने डॉक्टरों के इस्तीफों को कानूनी रूप से बताया अवैध

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या की घटना के विरोध में गत दिनों वरिष्ठ डॉक्टरों की ओर से दिए गए सामूहिक इस्तीफों पर पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़ा बयान दिया है। सरकार ने कहा है कि डॉक्टरों की ओर से दिया गया सामूहिक इस्तीफा एक सामान्य पत्र है और इसका कोई भी कानूनी महत्व नहीं है। इस्तीफों को वैध माने जाने के लिए उनका सही प्रारूप में होना जरूरी है।

कोलकाता मामले को लेकर आमरण अनशन पर डॉक्टर

सरकार ने कहा- कोई कानूनी मूल्य नहीं

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंद्योपाध्याय ने कहा, वरिष्ठ डॉक्टरों के इस्तीफों को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हमें कुछ पत्र मिले हैं, जिनके संदर्भ में 'सामूहिक इस्तीफे' का उल्लेख है। इसी तरह कुछ पत्रों में विषय का कोई उल्लेख नहीं है। इन विषयहीन पत्रों में कुछ हस्ताक्षर हैं, लेकिन पदनामों का उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा, इन सामूहिक इस्तीफों का वास्तव में कोई कानूनी मूल्य नहीं है और ये एक सामान्य पत्र ही हैं।

इस्तीफों का होना चाहिए वैध प्रारूप

बंद्योपाध्याय ने कहा, इस्तीफा नियोक्ता और कर्मचारी के बीच का मामला है, जिस पर विशिष्ट सेवा नियमों के तहत चर्चा की जानी चाहिए। इस्तीफे सेवा नियमों के अंतर्गत आते हैं और उन्हें वैध माने जाने के लिए एक निश्चित प्रारूप में भेजा जाना चाहिए।

क्या हैं डॉक्टरों की मांगें?

डॉक्टरों ने सरकार के सामने पीड़िता को न्याय दिलाने, स्वास्थ्य सचिव को उनके पद से हटाने, राज्य के सभी अस्पतालों में केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली लागू करने और एक डिजिटल बेड रिक्ति मॉनिटर स्थापित करने की मांग की है। इसी तरह उन्होंने प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में टास्क फोर्स गठित करने के साथ अलग शौचालय, आराम कक्ष और सीसीटीवी लगाने, अस्पतालों में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने और नागरिक स्वयंसेवकों की जगह स्थायी महिला और पुलिस पुलिसकर्मी तैनात करने सहित 9 मांगें रखी हैं।

इजरायल का बदला : साइबर अटैक कर चुरा ली ईरान की परमाणु साइट सहित मुख्य विभागों की जानकारी

एजेंसी ▶▶ तेहरान

इजरायल से तनाव के बीच ईरान के ऊपर शनिवार को बड़ा साइबर हमला हुआ है, जिसमें इसके परमाणु संयंत्रों, मिलिट्री बेस को भी निशाना बनाया गया है। ईरान इंटरनेशनल ने कहा, देश की परमाणु सुविधाओं के साथ-साथ ऑयल डिस्ट्रीब्यूशन, नगर पालिका नेटवर्क, परिवहन नेटवर्क, बंदरगाह और अन्य क्षेत्रों जैसे नेटवर्क को भी साइबर हमलों द्वारा टारगेट किया गया है। साइबर हमले से ईरानी सरकार पर असर पड़ा है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, देश के सुप्रीम काउंसिल ऑफ साइपरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी ने इन हमलों की पुष्टि की है। ईरान पर इजरायल के साइबर अटैक ने पूरी दुनिया के कान खड़े कर दिए और अधिकांश देश इस हमले के बाद सहमे हुए हैं। ये हमला ऐसे समय में हुआ है, जब इजरायल ने 1 अक्टूबर को ईरान के बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले का करारा जवाब देने की कसम खाई है।

ईरान ने दुनिया को दी जानकारी

ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक, ईरान की सुप्रीम काउंसिल ऑफ साइबरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी ने दुनिया को इन हमलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की न्यूक्लियर साइट्स, सरकार, न्यायपालिका और सेना समेत सभी सेवाएं इन साइबर अटैक की जद में आई हैं। इसके चलते कई संस्थाओं का डेटा भी रहस्यमय ढंग से चोरी हो गया है।

प्यादों की मौत से बौखलाया ईरान

दुश्मनों की संख्या से डरे बिना पहले इजरायल ने ईरान में कोवर्ट ऑपरेशन करवाकर हमास मुखिया इस्माइल हानिये को मरवाया। इसके बाद लेबनान की राजधानी बेरूत में सटीक बमबारी कर हिजबुल्ला चीफ हसन नसरुल्लाह को उसके ही गढ़ में ढेर कर दिया।

यह तो ट्रायल मात्र है, बड़ा हमला अभी बाकी है

ईरान पर यह बड़ा साइबर अटैक किसने किया, यह अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि यह हमला इजरायल ने ही किया है। इसके जरिए उसने एक बार ईरानी शासकों को संदेश दिया है कि वह जब चाहे, जैसे चाहे ईरानी व्यवस्था को पंगु बनाकर रख सकता है। हालांकि इसमें किसी की जान नहीं गई है, लिहाजा माना जा रहा है कि यह इजरायल के बड़े हमले से पहले का एक ट्रायल मात्र था।

सरकार की तीनों शाखाओं पर हमला

रिपोर्ट में फिरोजाबादी के हवाले से कहा गया है कि 'ईरान की सरकार की लगभग तीनों शाखाओं- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यकारी शाखा- पर भारी साइबर हमला हुआ है। उनकी जानकारी चुरा ली गई है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे परमाणु संयंत्रों को भी साइबर हमलों को निशाना बनाया गया है। साथ ही ईंधन वितरण, सिटी नेटवर्क, परिवहन नेटवर्क, बंदरगाह नेटवर्क और इसी तरह के अन्य नेटवर्क को निशाना बनाया गया है।

कार नहर में गिरने से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ कैथल

हरियाणा के कैथल में मुंदड़ी गांव के पास शनिवार सुबह बड़ा हादसा घटित हुआ है। वहां एक कार अनियंत्रित होकर सिरसा ब्रांच नहर में गिर गई। इसमें कार सवार एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 महिलाएं, 3 बच्चे और कार चालक शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से लोगों को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि ऑल्टो कार सवार भरतपुर के डीग निवासी परिवार सुबह बाबा लदाना मेले में जा रहा था। सुबह साढ़े 9 बजे मुंदड़ी गांव के पार रफ्तार तेज होने से चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और कार सीधी सिरसा ब्रांच नजर में जा गिरी। पुलिस ने लोगों की मदद से कार का शीशा तोड़कर शवों को बाहर निकाला।

- हरियाणा के कैथल में दर्दनाक हादसा

किए जा रहे हैं शवों की पहचान के प्रयास

पुलिस ने बताया कि शवों की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में सभी शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है और कार नंबर के आधार पर पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान होने और परिजनों के आने के बाद भी शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया परिवार के लोग दशहरे पर अपने गांव जा रहे होंगे और उसी दौरान यह हादसा हो गया।

माओवादियों को हथियार पहुंचाने वाले दो गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कैडरों को हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति से संबंधित छत्तीसगढ़ मामले में एक और सफलता मिली है। एनआईए ने छत्तीसगढ़ सीपीआई माओवादियों को हथियार आपूर्ति मामले में 2 अभियुक्तों को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है।

- प्रतिबंधित सीपीआई माओवादियों के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई

इन दो सहित अब तक 6 गिरफ्तार : उत्तर प्रदेश के जिला प्रयागराज के रहने वाले सुधीर त्रिपाठी और सूरज निषाद को गिरफ्तारी किया गया है। इस मामले में एनआईए अब तक छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके पहले चार अभियुक्तों को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। जब छत्तीसगढ़ की पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया था। उस समय शस्त्र अधिनियम और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दोनों आरोपी लंबे समय से सक्रिय

इस साल जनवरी में मामले की जांच अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने पाया कि सुधीर और सूरज दोनों छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में यूपी से सीपीआई (माओवादी) को हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति में सक्रिय रूप से शामिल थे। एनआईए की जांच के अनुसार, वे एक-दूसरे के नियमित संपर्क में थे और प्रतिबंधित संगठन को सहायता प्रदान करने के लिए साजिश में शामिल थे।

जानबूझकर कराया गया रेल हादसा! अब एनआईए करेगी जांच

मैसूर। बीती देर शाम मैसूर-दरभंगा भागमती एक्सप्रेस (12578) भीषण हादसे का शिकार हो गया। इस मामले को लेकर रेलवे ने बयान जारी किया है। बयान के अनुसार रेलवे को आशंका है कि यह हादसा जानबूझकर कराया गया है। ट्रेन को आगे जाने के लिए हरी झंडी दिखाई गई थी। ट्रेन लूप लाइन में प्रवेश कर गई। मगर आगे मालगाड़ी खड़ी थी। यह हादसा तमिलनाडु के कावराईपेट्टई रेलवे स्टेशन पर हुआ। अब इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। रेलवे ने सीआरएस को जांच के आदेश दिए हैं।

बता दें कि ट्रेन ने हरी झंडी मिलने के बाद लूप लाइन में खड़ी मालगाड़ी को टक्कर को पीछे से टक्कर मार दी।

आखिर क्या है ब्लैक होल और कैसे बनता है ? जिसके अंदर जाने पर प्रकाश भी नहीं आ पाता है बाहर

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

ब्रह्मांड रहस्यों से भरा हुआ है। वैज्ञानिक इन रहस्यों को जानने के लिए सालों से कोशिश कर रहे हैं। इनमें एक नाम ब्लैक होल का भी है, जिसे 'कृष्ण विवर' भी कहा जाता है। आखिर यह क्या चीज है और क्यों रहस्यमयी है? दरअसल, अंतरिक्ष में ब्लैक होल एक शक्तिशाली गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र वाला स्थान है, जहां भौतिक विज्ञान का कोई भी नियम काम नहीं करता। यह इतना शक्तिशाली है कि इससे कोई भी चीज नहीं बच सकती है। यहां तक कि प्रकाश भी अगर ब्लैक होल के अंदर चला जाए, तो वो फिर कभी बाहर नहीं आ पाता। सबसे बड़ी बात यह है कि ब्रह्मांड में कई ब्लैक होल हैं, लेकिन सभी पृथ्वी से हजारों प्रकाश वर्ष दूर हैं। अगर यह ब्लैक होल धरती के नजदीक होते, तो कब का निगल गए होते और पृथ्वी पर इंसानों का नामोनिशान नहीं रहता। क्या आपको पता है कि आखिर ब्लैक होल कैसे बनता है? वैज्ञानिक तौर पर माना जाता है कि कोई विशाल तारा जब अपने अंत की ओर पहुंचता है, तो वो धीर-धीरे ब्लैक होल में परिवर्तित हो जाता है और आसपास की सभी चीजों को अपनी तरफ खींचने लगता है। हालांकि, वैज्ञानिकों के लिए ब्लैक होल आज भी रहस्य है।

क्या माइक्रो ब्लैक होल भी हैं?

ब्लैक होल को लेकर यह भी सवाल है कि आखिर क्या अंतरिक्ष में छोटे आकार के कई ब्लैक होल मौजूद हैं? स्पेस थ्योरी के मुताबिक, बिग बैंग के दौरान अंतरिक्ष में छोटे-छोटे पिनहेड के आकार के कई ब्लैक होल बने होंगे। हालांकि, माइक्रो ब्लैक होल का अभी तक कोई प्रमाण नहीं मिल पाया है। अंतरिक्ष में उन्हें पहचानना भी बेहद कठिन है।

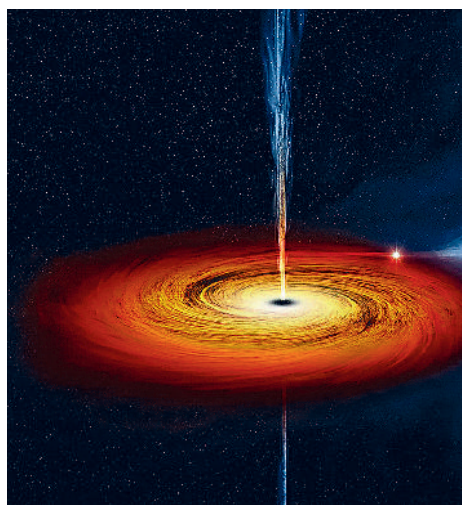

सुपरमैसिव ब्लैक होल है?

सुपरमैसिव ब्लैक होल ब्रह्मांड की सबसे रहस्यमयी वस्तुओं में से एक है। यह इतने विशालकाय होते हैं कि उनका गुरुत्वाकर्षण प्रकाश को जकड़ लेता है। ब्लैक होल का गुरुत्वाकर्षण इतना प्रबल होता है कि कोई भी वस्तु उससे बच नहीं सकती है। यहां तक कि प्रकाश भी। विशालकाय ब्लैक होल को सुपरमैसिव ब्लैक होल के नाम से जाना जाता है। इसका द्रव्यमान लाखों से अरबों सूर्य के बराबर हो सकता है।

कैसे बनते हैं सुपरमैसिव ब्लैक होल?

विशालकाय ब्लैक होल का निर्माण कैसे होता है? कहा जाता है कि ब्लैक होल मरते हुए तारों से जन्म लेते हैं। खगोलविदों ने यह जानने के लिए 13.8 अरब साल पुराने ब्रह्मांड के इतिहास से लेकर वर्तमान तक को खंगाला। उन्हें पता चला कि शुरुआती दिनों में ब्लैक होल तेजी से बन रहे थे, लेकिन अब उनकी क्षमता कमजोर हुई है और धीरे-धीरे विकसित होते हैं। खगोलविदों ने बीते करीब 12 अरब सालों में सुपरमैसिव ब्लैक होल के समग्र विकास के इतिहास का एक मॉडल बनाया और उसकी मदद से इसके बारे में समझने की कोशिश की। सुपरमैसिव ब्लैक होल मुख्य रूप से दो तरीकों से बनते हैं। पहला, ब्लैक होल अपनी मेजबान आकाशगंगाओं से गैस को कंज्यूम करते हैं यानी आकाशगंगाओं की गैस को खुद में समाहित लेते हैं। इसे अभिवृद्धि कहा जाता है। दूसरा, जब आकाशगंगाओं का आपस में टक्कर होता है तो ब्लैक होल एक दूसरे में विलीन हो सकते हैं।

हर कोई है शाकाहारी, शराब तक को नहीं लगाते हाथ

भारत का ऐसा गांव, जहां कच्चे मकान में रहते हैं करोड़पति!

एजेंसी ▶▶| जयपुर

भारत मान्यताओं का देश है। यहां के लोग हजारों सालों से अलग-अलग प्रकार की मान्यताओं का पालन करते हैं। यहां कई गांव-शहर हैं जहां पर आपको ऐसे रीति-रिवाज देखने को मिलेंगे, जो आपके लिए अंधविश्वास हो सकते हैं, पर इन जगहों के लिए लोगों के लिए बेहद खास होते हैं। ऐसा ही एक गांव राजस्थान में है, जहां पर हर किसी के घर कच्चे हैं। जो लोग अमीर हैं, यहां तक कि करोड़पति लोग भी इस गांव में रह रहे हैं, वो भी कच्चे मकानों में रहते हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जो राजस्थान के एक गांव का है। इस गांव का नाम है देवमाली जो राजस्थान के ब्यावर जिले में है। इस गांव की खासियत ये है कि यहां पर हर कोई कच्चे मकान में रहता है। जो लोग अमीर हैं, करोड़पति भी हैं, वो भी पक्के मकानों में नहीं रहते। इसके अलावा गांव से जुड़ी ऐसी कुछ और खास बातें भी हैं जो इसे खास बनाती हैं।

बेहद अनोखा है गांव

सबसे बड़ी बात ये है कि इस गांव में कोई भी शराब नहीं पीता है। यहां तक कि गांव में हर कोई शाकाहारी है। वीडियो में तो ये भी दावा किया गया है कि गांव में कोई अपने घरों में ताला नहीं लगाता है। हालांकि, एक मकान में ताला लगा नजर आ रहा है। इसके अलावा बहुत से लोग आते-जाते दिख रहे हैं। गांव में आप देख सकते हैं कि हर मकान मिट्टी का है। देवमाली में गुर्जर समाज के लोग रहते हैं। भगवान देवनारायण की आराधना ये सभी लोग करते हैं। लोगों की मानें तो जब भगवान देवनारायण यहां आए थे तो वे ग्रामीणों की सेवा से खुश हुए थे। तब लोगों ने कुछ नहीं मांगा। इस वजह से भगवान ने जाते-जाते उन्हें आशीर्वाद दिया कि गांव में हमेशा सुख-समृद्धि और शांति रहेगी, मगर कोई भी अपनी छत पक्की न करवाए। उसके बाद से किसी ने भी घर को पक्का नहीं करवाया।

वीडियो हो रहा है वायरल

इस वीडियो को 5 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लोगों ने कहा कि गांव बहुत प्यारा लग रहा है। वहीं, एक ने कहा कि वो इस गांव में गया है। एक ने कहा कि काश उनका भी गांव ऐसा ही हो!

ओम हॉस्पिटल
आई सी यू विभाग
उपलब्ध सुविधाएं
- जीरो इंफेक्शन युक्त आधुनिक 32 बेड आई सी यू
- अनुभवी एवं विशेषज्ञ गहन चिकित्सा टीम
- मेडिकल एवं सर्जिकल गहन चिकित्सा
- अत्याधुनिक मशीनों द्वारा देखभाल एवं इलाज
- विशेष प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ
- रोड एक्सीडेंट्स, सभी प्रकार के ट्रामा एवं इमरजेंसी गहन चिकित्सा
- जहर, सर्पदंश इलेक्ट्रिक शॉक
- मस्तिष्क, गुर्दा रोग, फेफड़े लकवा एवं हड्डी संबंधित समस्याओं के लिए विशेष व्यवस्था
- वेंटिलेटर्स, HFNO, BI-PAP, मॉनिटर्स, इको, USG, ABG, Dialysis मशीन, क्रैश कार्ट डिफाइब्रिलेटर की सुविधा
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड,रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.)
मो. 8370008551
खरोरा रोड, तिल्दा (छ.ग.)
मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.)
मो. 8370008558
#Rajesh

राइनोप्लास्टी
नाक को सही (रिशेपिंग) करना
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

यहां सांपों के साथ लोग करते हैं योग, बदन पर रेंगते हैं अजगर

न्यूयार्क। पिछले कुछ सालों से योग पूरे विश्व में बहुत चर्चा में आ गया है। हालांकि, योग कोई नई क्रिया नहीं है। हजारों सालों से भारत में योग गुरु इसको करते आ रहे थे। विदेशों में कई योग गुरु विदेशियों को सालों से योग सिखा रहे हैं। धीरे-धीरे योग करने के तरीके में लोगों ने अपने-अपने हिसाब से परिवर्तन कर दिए। कुछ वक्त पहले कुत्तों के साथ योग करना काफी प्रचलित हुआ था, मगर अमेरिका में तो अब एक नए तरीके का योगा चर्चा में है। यहां पर लोग सांप के साथ योग कर रहे हैं। सांप उनके बदन पर रेंगते हैं।

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार कैलिफोर्निया के कोस्टा मीसा में 'लग्जरी योगा' नाम का एक स्टूडियो है। ये योग में एक नया ट्रेंड सेट करने की फिराक में है। इस स्टूडियो में लोगों को स्नेक योगा सिखाया जा रहा है, जिसमें लोग सांपों के साथ योग करते हैं। आप सोचेंगे कि आखिर ये योग कौन करता होगा? इस योग को मुख्य रूप से वो लोग करते हैं, जिन्हें सांपों से बहुत डर लगता है।

आयुष्मान भारत तथा 34 अन्य कंपनियों से इलाज की सुविधा...
श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल
॥ हर एक जीवन अनमोल ॥
लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए विश्वसनीय स्थान
उपलब्ध सेवाएं
- अंतरी एवं अग्न्याशय संबंधित रोग • फिशर
- भगंदर • पथरी का ईलाज
- हाइड्रोसिल, पाइल्स लेप्रोस्कोपिक हाइट्स हार्निया
- पाइलोनिडल साइनस
- स्तन में किसी भी प्रकार की गांठ • स्तन कैंसर का ईलाज
प्रमुख उपचार
- दूरबीन पद्धति द्वारा सर्जरी • अपेन्डिक्स
- गॉलब्लैडर
- सभी प्रकार के हार्निया
- ओवेरियन सिस्ट
- ZSR (stapler) circumcission
- किसी भी प्रकार की गांठ
डॉ. अभिजीत सिंह
(MS General Surgery) General & Laproscopy Surgeon
न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4222999
हेल्पलाइन नं.: 7880003497
Khanna

संजीवनी
CBCC कैंसर हॉस्पिटल
रोबोटिक कैंसर सर्जरी
पेट स्कैन
रैपिड आर्क रेडियोथेरपी
स्पैक्ट(गामा कैमेरा)
बोन मैरो ट्रांसप्लांट
न्यूरो नेविगेशन, न्यूरो माइक्रोस्कोप
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए
पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)
+917389904010, 05010, +91 7714081010, 4061010

WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE
4 करोड़ खुशहाल ग्राहक~
Hero GIFT
Grand Indian Festival of Trust
Splendor+
उत्सव का परिचय 01 एडिशन
स्टाइलिश नया स्टिकर
ईंधन टैंक पर डायनामिक स्टिकर
स्पोर्टी रियर ग्रैब रेल
स्टाइलिश नए विंकर्स
एक्स-शोरूम कीमत ₹78,956**
EMI की शुरूआत ₹2100^ से
ब्याज दर 5.99%^
शुरूआती कम डाउन पेमेंट @ ₹1999^
कैशबैक ₹5000# तक
Toll Free Number: 1800 266 0018
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
$ADDITIONAL CASH DISCOUNT AVAILABLE ON Flipkart amazon
~INSTANT CASHBACK AVAILABLE ON HDFC BANK pine labs PAY LATER
Special offers for CSD/CPC/Corporate employees. Reach us at: institutionalsales@heromotocorp.com
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *The 5% cashback upto ₹5000/- is applicable on minimum transaction of ₹40,000, subject to the credit card company's, T&Cs. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. $Flipkart and Amazon offers are subject to the sole discretion & T&Cs of respective organisations. ~As per cumulative sales of Splendor+ series till FY24. **Festive Ex-showroom price of Splendor+ 01 in Raipur.
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, भिंभौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 गुरुर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोडला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राज्धानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो: 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, झगरंडी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 98931058752 /6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, लिमतरा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 8085053343/7898813343, गोहरा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, इरपिनार: अंशु ऑटो, 6261421161,, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983
FCP/INTERFACE/6878/OCT2024/HINDI

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com